हरिभूमि

शौर्य भूमि

मंडला | अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

5

जबलपुर, गुरुवार 27 जून 2024

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

टेकराम राय विधायक प्रतिनिधि नियुक्त

भुआबिछिया। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी बिछिया के सक्रिय नेता टेकराम राय को विधायक नारायण सिंह पट्टा नें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिछिया में अपना विधायक प्रतिनिधि नियुक्त किया है। श्री राय की नियुक्ति से कार्यकर्ताओं में हर्ष व्याप्त है।

मोबाईल विटनरी यूनिट से पशुपालकों को मिलेगा लाभ

मण्डला। उपसंचालक पशुपालन एवं डेयरी विभाग डॉ. यू.एस. तिवारी ने बताया कि मण्डला जिले को 10 मोबाईल वेटनरी यूनिट वाहन मिली है। 9 विकासखण्डों के लिए एक-एक वाहन और जिला मुख्यालय को एक वाहन दी गई है। उन्होंने बताया कि योजना को प्रारंभ हुए सफलता के एक वर्ष पूर्ण हो चुके हैं। इस योजना में शासन द्वारा पशुपालकों के लिए टोल फ्री नम्बर 1962 जारी किया गया है। टोल फ्री नम्बर जिले में कहीं पर कहीं से भी लगाया जा सकता है। एम्बुलेंस में एक पशु चिकित्सक, एक पैरावेट एवं एक ड्राईवर रहेगा। उपसंचालक ने बताया कि टोल फ्री नम्बर पर कॉल करने से कॉल सेंटर भोपाल से एम्बुलेंस के पशु चिकित्सक और पशु पालक के मोबाईल में मेसेज भेजा जाएगा। जिससे एम्बुलेंस मय स्टॉफ घर पहुँचकर बीमार पशु का उपचार व सहायता करेंगे। शासन द्वारा सेवा शुल्क बड़े पशुओं के लिए प्रति पशु 150 रू. तथा कुत्ता, बिल्ली के उपचार के लिए प्रति पशु 300 रूपए निर्धारित किया गया है।

आपातकालीन सेवा समेत अन्य मूलभूत सुविधाओं से वंचित ग्रामीण

पहुंच मार्गों की हो रही अनदेखी

*** बारिश में बंद हो जाता है आवागमन।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

नारायणगंज से गुजरने वाली नदियों में बरगी बांध के पानी भराव होता है। जिसके कारण ग्राम बोरिया पहुंच मार्ग में बने इस नाले में बारिश के सीजन भर पानी भरा रहता है। जिसके कारण ग्राम बोरिया के ग्रामीणों को आवाजाही में परेशानी का सामना करना पड़ता है। बारिश के दिनों में यह समस्या और विकराल हो जाती है। लोगों को अपनी जान हथेली में रखकर इस नाले को पार करना पड़ता है। ग्रामीणों का कहना है कि सिकोसी पंचायत का बोरिया ग्राम उपेक्षित है। यहां मूलभूत सुविधाएं भी नहीं मिल पा रही है।

बताया गया कि ग्राम बोरिया दो हिस्सों में अलग-अलग बसा है। जिसमें आधी आबादी इस नाले के काफी नजदीक है जो नारायणगंज मुख्यालय के पास ही है। दूसरे हिस्से में जाने के लिए दूरी के साथ रास्ता भी जर्जर और पगडंडी वाला है। जिससे यहां से भी गुजरने में परेशानी का सामना ग्रामीणों को करना पड़ता है। मार्ग ना होने के कारण लोगों को यहां से बहने वाले नाले को पार करना पड़ता है। ग्रामीणों की मांग के बाद भी यहां पुलिया का निर्माण नही कराया जा रहा है। गांव में यदि कोई गंभीर बीमार हो जाए तो उसे उपचार के लिए बड़ी मशक्कत करनी पड़ती है। इस दौरान कई लोगों को अपनी जान से हाथ धोना पड़ता है। आने जाने का साधन न होने के कारण समय में मरीज को अस्पताल तक नही पहुंचा पाते है।

बच्चों की मुसीबत

ग्रामीणों का कहना है कि ग्राम बोरिया में विद्यालय नहीं होने के कारण बच्चों को दूसरे गांव अपनी शिक्षा पूरी करने के लिए जाना पड़ता है। बच्चों को स्कूल जाने के लिए बारिश में इसी नाले को पार करना होता है। जिससे हादसे का अंदेशा बना रहता है। यहां मूलभूत सुविधाएं स्वास्थ्य, शिक्षा समेत रोजगार के लिए लोगों को तरसना पड़ रहा है। चुनावी दौर में नेता यहां आश्वासन का झुंझुना पकड़ा देते है। चुनाव जीतने के बाद ना तो नेता का पता चलता है और ना ही उनके आश्वासन का।

इनका कहना है:-

नारायणगंज की राजनीति सिर्फ ठेकेदारी मेटेरियल सप्लाई और स्वार्थ की राजनीति बन चुकी है, चुनाव जीतने के लिये आश्वासन का सहारा लिया जाता है, स्थानीय जनप्रतिनिधि भी इस ओर ध्यान नहीं देते है, जिसके कारण यह ग्राम उपेक्षित है।

स्थानीय निवासी नारायणगंज

आज राजनीति में सेवा नहीं स्वार्थ हावी हो चुका है, इस लिए आज बोरिया ग्राम सड़क और पुलिया के लिए तरस रहा है। यहां के ग्रामीणों को मूलभूत सुविधाएं के लिए तरसना पड़ता है। वर्षों पहले बने स्टाप डेम को भी पूरा नहीं किया गया है। जिसके कारण लोगों को आवाजाही में परेशानी हो रही है।

स्थानीय निवासी नारायणगंज

सरकार के पास बरगी बांध बांधने की योजना है, लेकिन बरगी बांध के कारण जिन ग्रामों का मार्ग अवरूद्ध हो रहा है, वहां आवागमन का रास्ता बनाने की कोई योजना नहीं है। यहां के ग्रामीणों को नारायणगंज मुख्यालय आने में काफी मशक्कत करनी पड़ रही है। इस ओर प्रशासन को ध्यान देना चाहिए।

स्थानीय निवासी नारायणगंज

बोरिया ग्राम में सड़क और नदी पार करने के लिए पुलिया न होने के कारण ग्रामीणों को अपनी मूलभूत सुविधाओं को पूरा करने के लिए काफी परेशानी उठानी पड़ती है। यहां स्थानीय प्रशासन और जनप्रतिनिधि ध्यान नहीं दे रहे है। जिसका खामियाजा यहां के लोगों को भुगतना पड़ रहा है।

स्थानीय निवासी नारायणगंज

फर्जीवाड़ा को लेकर वन सुरक्षा समिति सदस्यों ने सौंपा ज्ञापन

*** साजपानी बीट के मुद्दे पर पहुंचे वरिष्ठ कार्यालय।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

पूर्व सामान्य वन मंडल मंडला के अंतर्गत वन सुरक्षा समिति साजपानी में सुरक्षा समिति के सदस्यों को कास्ठ लाभांश राशि के वाउचर नहीं मिलने पर, वे आक्रोशित होकर वन मंडल अधिकारी को ज्ञापन सौंपा है। उन्होंने ज्ञापन में बताया है कि वनरक्षक और सचिव वन सुरक्षा समिति साजपानी नरेश्वरी धुर्वे के द्वारा अभी हाल ही में रोड निर्माण का कार्य करवाया जा रहा है जिसमें वन सुरक्षा समिति के सदस्यों व अध्यक्षों के बिना बताए ही वनरक्षक के द्वारा कार्य किया जा रहा है इसमें वनरक्षक ने बैठक किए बिना ही वाउचर, अध्यक्ष के फर्जी हस्ताक्षर, और समिति का फर्जी प्रस्ताव बनाकर वरिष्ठ कार्यालय में प्रस्तुत कर दिया गया। फर्जी प्रस्ताव पास होने के बाद से ही सीसी सड़क का निर्माण कार्य चल रहा है, अधिकारियों की मॉनिटरिंग नहीं होने की वजह से कार्य में गुणवत्ता का ध्यान नहीं रखा जा रहा है, ऐसे में सीसी सड़क कुछ ही सालों के पहले ही खस्ताहाल हो जाएगी।

समिति के सदस्य और अध्यक्षों के आरोप है कि वनरक्षक नरेश्वरी धुर्वे मंडला से आना-जाना करती है, जिस कारण ड्यूटी पर समय पर नहीं पहुंचना लापरवाही का कारण बन रहा है, वही इस ओर अनदेखी के चलते वनों की अंधाधुंध कटाई भी जारी है पर प्रशासन अनजान है।

फिलहाल ज्ञापन में सदस्यों ने वन मंडल अधिकारी से इस बात से अवगत कराते हुए बताया है कि जिस तरह फर्जी हस्ताक्षर, वाउचर, और हम किसी को बिना बताए इस कार्य को अंजाम दिया गया है, इससे यह प्रतीत होता है कि वनरक्षक के द्वारा मनमानी की जा रही है पहले अधिकारी मौका स्थल की जांच करें समिति के प्रामाणक समिति सदस्यों को दिया जाए और दोषी कर्मचारियों के विरुद्ध ठोस कार्यवाही की जाए।

जिला पंचायत शिक्षा स्थाई समिति की बैठक संपन्न

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

जिला पंचायत शिक्षा स्थाई समिति की बैठक समिति सभापति कमलेश तेकाम की अध्यक्षता में संपन्न हुई जिसमें स्कूल चलें हम अभियान सहित अन्य शैक्षणिक गतिविधियों की समीक्षा करते हुए आवश्यक निर्देश दिए गए। जिला पंचायत सभाकक्ष में संपन्न हुई इस बैठक में समिति सदस्य शिव पूसाम, सावित्री धूमकेती, गीता मरावी, प्रभारी सहायक आयुक्त जनजाति कार्यविभाग क्षमा सराफ, जिला शिक्षा अधिकारी मुन्नी वरकड़े, क्षेत्र संयोजक रंजीत गुप्ता, समस्त विकासखंड शिक्षा अधिकारी तथा बीआरसी उपस्थित रहे।

समिति सभापति कमलेश तेकाम ने कहा कि शाला जाने योग्य प्रत्येक बच्चे का नामांकन सुनिश्चित करें। कोई भी बच्चा स्कूल से वंचित नहीं रहना चाहिए। शालाओं में विद्यार्थियों की औसत उपस्थिति बेहतर करें। सहायक शैक्षिक सामग्री का उपयोग करते हुए शिक्षा की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दें। उन्होंने कहा कि शाला परिसर को अकादमिक रूप से तैयार करें। अतिथि शिक्षकों की भर्ती के लिए नियमानुसार कार्यवाही करें। विद्यालयों में शैक्षणिक कॉर्नर तथा बुकबैंक विकसित करें। श्री तेकाम ने कहा कि शाला परिसर तथा भवन की स्वच्छता पर विशेष ध्यान दें। पाठ्यपुस्तक, गणवेश, साईकिल एवं छात्रवृत्ति सहित अन्य प्रोत्साहन योजनाओं का लाभ समय पर प्रदान करें। मध्यान्ह भोजन में गुणवत्ता का ध्यान रखें तथा मेन्यू का पालन करें। शिक्षा समिति अध्यक्ष ने कहा कि सभी शाला भवनों में आवश्यक मरम्मत कराएं। उन्होंने शिक्षकों की व्यवस्था, अतिशेष शिक्षकों की जानकारी तथा जर्जर शाला भवनों का उपयोग नहीं करने के संबंध में भी आवश्यक निर्देश दिए।

अतिक्रमण के विरोध में सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

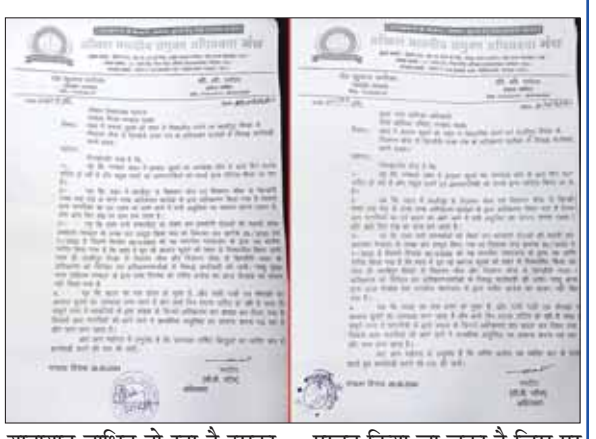

नगर में आवारा कुत्तो की संख्या दिनोदिन बढ़ती जा रही है जिसको लेकर स्कूली बच्चों की सुरक्षा पर खतरा भी बढ़ रहा है इसी चिंता को लेकर अखिल भारतीय संयुक्त अधिवक्ता मंच के प्रदेश सचिव सीबी पटेल द्वारा जिला कलेक्टर मण्डला एवं नगरपालिका अधिकारी को एक ज्ञापन सौंपा गया जिसमें यह उल्लेखकिया गया कि शिक्षा सत्र प्रारंभ हो चुका है बच्चों का स्कूल जाना सायकल एवं पैदल होता है ऐसे में हर गली-मौहल्ले में दौड़ते आवारा कुत्तो से इन्हें गंभीर खतरा है लिहाजा इस पर गंभीरतापूर्वक कार्यवाही करते हुये आवारा कुत्तों की समस्या पर विचार किया जाये और निदान हेतु कार्यवाही की अपेक्षा की गई है।

अतिक्रमण से हो रहा है यातायात प्रभावित

प्रदेश सचिव सीबी पटैल ने आवारा कुत्तों के साथ-साथ अतिक्रमण की समस्या को भी ज्ञापन में उल्लेखित किया है उनका कहना है कि चिलमन चौक से लेकर पुराने डिण्डौरी नाका तक रोजाना यातायात बाधित हो रहा है इसका एक बड़ा कारण यह है कि सड़क के दोनों ओर स्थापित व्यापारियों द्वारा न केवल फुटपात पर कब्जा कर रखा है बल्कि उसके आगे भी वाहनों को पार्क कर सड़कों पर अतिक्रमण कर रखा है जिससे यातायात रोजाना प्रभावित हो रहा है। रोजाना स्कूल समय एवं कार्यालय जाने के समय जाम की स्थिति बन रही है जिसका निदान आवश्यक है।

इन सभी समस्याओ को लेकर जनोपयोगी सेवाओं की स्थायी लोक अदालत मण्डला के समक्ष वाद प्रस्तुत किया गया था वाद क्रमांक 25/2022 एवं 7/2022 पहले ही प्रस्तुत किया जा चुका है जिस पर 30 दिसम्बर 2022 को यह आदेश किया गया था कि शहर में घूम रहे आवारा कुत्तों को शहर से विस्थापित किया जाये एवं लालीपुर तिराहा से चिलमन चौक और चिलमन चौक से डिण्डौरी नाका तक के अतिक्रमण को चिन्हित कर अतिक्रमणकर्ताओं के विरूद्ध कार्यवाही की जाये परन्तु मुख्य नगरपालिका अधिकारी के द्वारा उक्त दिनांक को पारित आदेश का आज दिनांक तक पालन नहीं किया गया।

ज्ञापन में उपरोक्त दोनों समस्याओं पर त्वरित रूप से कार्यवाही की मांग की गई है।

विरोध | **सभी वर्ग ने एकजुट होकर जताया विरोध।**

स्वस्फूर्त बंद का दिखाई देने लगा अब असर

*** कड़ी कार्यवाही पर मजबूर हुआ प्रशासन।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

अवैध रूप से गौवंश का परिवहन एवं वध कोई नई बात नहीं लेकिन इस पर कार्यवाही पहले कभी-कभार ही हुआ करती थी ऐसा भी नहीं कि इस अवैधानिक गतिविधि से प्रशासन अनजान रहा हो और ऐसा भी नहीं कि समाज के लोगों को इस अवैध व्यवसाय की जानकारी न रही हो लेकिन जब पानी सिर के ऊपर से बहने लगता है तो विरोध स्वाभाविक हो जाता है। पिछले दिनों छुप-छुपकर चलती इस तरह की गतिविधियाँ सार्वजनिक रूप से सामने आई और जिस दरंदिगी की तस्वीर दिखाई दी उसका जमकर तो विरोध होना ही था शासन-प्रशासन का जमीर भी जागा और निःसंदेह उनके द्वारा की गई कार्यवाही भी काबिले तारीफ रही जिसका समाज द्वारा सम्मान भी किया गया।

25 जून को बुलाया गया बंद जितना सफल रहा है उतना तो बड़े-बड़े राजनैतिक दलों के द्वारा बुलाया गया बंद सफल नहीं होता था प्रत्येक वर्ग और समाज के लोगों ने बंद में अपनी सहभागिता प्रस्तुत की और इस सहभागिता को देखकर अब शासन-प्रशासन भी उदासीन नहीं रह सकता साथ ही उन दरिंदों के हौसले भी अब पस्त दिखाई दे रहे हैं जो गौवंश को लेकर पहले मनमानी करते रहे हैं।

दलालों की भूमिका भी हुई सार्वजनिक

अवैध रूप से गौवंश का परिवहन होने की जानकारी ऐसा संभव ही नहीं कि शासन-प्रशासन को न होती हो लेकिन जानबूझकर अनदेखी की जाती रही है और इस तरह के अवैध कारोबार को अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग किया जाता रहा है इसके पीछे निःसंदेह रूप से पैसे का ही लेन-देन प्रमुख होता है और इस लेन-देन में सहयोगी की भूमिका में वे दलाल भी होते हैं जो कहने को तो हिन्दूवादी संगठनों की बात करने वाले बताये जाते हैं लेकिन रात के अंधेरे में वे इस अवैध काम में सहयोगी का रोल निभाते रहे हैं। अब जबकि जनता न केवल हकीकत जान चुकी है बल्कि हर उस चेहरे से नकाब भी उठता देख रही है तो निश्चित रूप से समझा जाना चाहिये कि इन गतिविधियों पर विराम तो लगना ही है। भैंसवाह जैसा स्थान कोई एक दिन में विकसित नहीं हो सकता इसे वृहद रूप देने में हम सभी का प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष सहयोग रहा है।

शहजाद कुरैशी एवं आसिम कुरैशी को 3 माह जबलपुर जेल भेजने के आदेश

जिला दण्डाधिकारी डॉ. सलोनी सिडाना ने राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम 1980 की धारा 3(2) के तहत शहजाद कुरैशी पिता नवाब उर्फ मुन्ना कुरैशी उम्र 32 वर्ष और आसिम कुरैशी पिता जलील कुरैशी उम्र 35 साल निवासी ग्राम भैंसवाही थाना नैनपुर जिला मंडला को 3 माह जबलपुर जेल में रखने के आदेश जारी किए हैं। जारी आदेश में बताया गया कि जिले में साम्प्रदायिक सौहाद्र एवं लोकशांति व्यवस्था बनाए रखने हेतु पुलिस के द्वारा उक्त दोनों व्यक्तियों को 3 माह के लिए निरूद्ध करते हुए सुभाषचन्द्र बोस केन्द्रीय जेल जबलपुर में रखा जाएगा।

विद्युत उपभोक्ताओं के लिए जन समस्या निवारण शिविर 2 जुलाई को लगेगा

मण्डला। सहायक अभियंता कार्या. अधी. अभि. म.प्र.पू.क्षे.वि.वि.कं.लि. मंडला ने बताया कि जिले के विद्युत उपभोक्ताओं के बिजली बिल, विद्युत संबंधी अन्य शिकायतों और समस्याओं का निराकरण के लिए वृत्त कार्यालय परिसर राजीव कॉलोनी मण्डला में दिन मंगलवार 2 जुलाई 2024 को सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक जन समस्या निवारण शिविर आयोजित किया जायेगा। आयोजित शिविर में विद्युत उपभोक्ताओं का विद्युत संबंधी शिकायतों का समाधान किया जायेगा। विद्युत उपभोक्ता जन समस्या निवारण शिविर में उपस्थित होकर अपनी समस्याओं का निराकरण करा सकेंगे।

मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजनांतर्गत उद्योग, सर्विस, व्यवसाय हेतु आवेदन ऑनलाईन आमंत्रित

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

महाप्रबंधक जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र मंडला से प्राप्त जानकारी के अनुसार मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना में जिले के शिक्षित बेरोजगारों को रोजगार से जोड़ने हेतु बैंकों के माध्यम से ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है। योजना में विनिमार्ण हेतु 1 लाख से 50 लाख तक सेवा, खुदरा व्यवसाय हेतु 1 लाख से 25 लाख तक का ऋण प्रकरणों का आवेदन समस्त पोर्टल से ऑनलाईन आवेदन प्राप्त किये जा रहे हैं।

पात्रता

आवेदक 8वी कक्षा उत्तीर्ण, 18 से 45 आयु वर्ग के हों तथा जिनकी परिवार की वार्षिक आय 12 लाख रू से कम हो वो पात्र हैं। मूल निवासी प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र, पेन कार्ड, आधार कार्ड, कोटेशन, प्रोजेक्ट रिपोर्ट, आवश्यक लायसेन्स व अन्य दस्तावेज। अब आवेदकों को विनिर्माण उद्योग स्थापना के लिए 1 लाख से 50 लाख रू. तक तथा सेवा एवं खुदरा व्यवसाय इकाई के लिए 1 लाख से 25 लाख रू. तक बैंकों के माध्यम से ऋण उपलब्ध कराया जायेगा। योजना में 3 प्रतिशत त्रैमासिक दर से 7 वर्ष तक की अवधि हेतु ब्याज अनुदान एवं सीजीटीएमएसई गारंटी शुल्क 7 वर्ष तक प्रतिपूर्ति के रूप में देय है। अधिक जानकारी के लिए जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र मण्डला एवं बैंकों से किसी भी कार्यदिवस पर कार्यालीन समय में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

खबर संक्षेप

जप्त की गई अवैध शराब

गाडरवारा। पुलिस द्वारा शराब के अवैध कारोबार पर अंकुश लगाने के लिये लगातार कार्यवाही की जा रही है। इसी के चलते बीते हुये दिवस पुलिस द्वारा मुखबिर की सूचना के आधार पर नगर के पलोटन गंज के पास रामफल पिता स्व नन्कू यादव निवासी शिवाजी वार्ड गाडरवारा के पास से 16 पाव अंग्रेजी शराब तथा ग्राम तिगुंवा में वही के निवासी डालचंद पिता पिता बालाराम पटैल के पास से 15 पाव देशी शराब जप्त की गई। इसी प्रकार से नगर के बुचबंदिया मुहल्ला में भैया जी पिता बाबू लाल विश्वकर्मा निवासी महारानी लक्ष्मी बाई वार्ड निवासी के पास से 4 लीटर कच्छी तथा जगदीश वार्ड निवासी संजय पिता नारायण कहार के पास से भी 4 लीटर तथा नगर के नरसिंह मंदिर के पास नदी मुहल्ला में सूरज पिता मनीराम कहार के पास से पुलिस ने चार कुप्पों में 60 लीटर कच्ची महुआ की शराब जप्त करते हुये आरोपियों के खिलाफ धारा 34 आवकारी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है।

अलग अलग स्थानों से सटोरिया आये पुलिस की गिरफ्त में

गाडरवारा। पुलिस द्वारा सटोरियों के खिलाफ की जा रही कार्यवाही के चलते बीते हुये दिवस अलग अलग स्थानों से सटोरियों को पकड़ने में सफलता हासिल की गई है। इस संबंध में पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस नगर के रेलवे स्टेशन रोड़ पर नगर के प्रकाश पिता उत्तम सिंह कौरव उम्र 55 साल को सट्टा पट्टी काटते हुये पकड़कर आरोपी के पास से सट्टा पट्टी सहित नगदी 300 रूपया नगर के इन्द्रा कालोनी में पुलिस द्वारा मुखबिर की सूचना पर मारे गये छापे के दौरान देवाशीष उर्फ बाबूल पिता गोपाल राय के पास से भी सट्टा पट्टी सहित नगदी 230 रूपया जप्त करते हुये आरोपियों के खिलाफ धारा 4 क जुंआ एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया।

शराब पीने के लिये पैसा न देने पर की गई मारपीट

गाडरवारा। नशे की लत का शिकार युवा ही नही अब महिलाओं को भी इसकी गिरफ्त में आते हुये देखा जाने लगा है। इस तरह नशे के आदि लोगों की स्थिति इस तरह बन रही है कि वह अपनी लत को पूरा करने के लिये जब पैसा नही रहता है तो वह दूसरे लोगों से मांग करते हुये उनके साथ मारपीट करने से नही चूकते है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई बीते हुये दिवस समीपस्थ सालीचौका में उस समय देखने मिली जब शराब के नशे की लत से शिकार एक महिला द्वारा अपनी लत पूरी करने के लिये एक ज्वलर्स दुकान की संचालन करने वाले महिला से शराब पीने के लिये पैसों की मांग की गई जब महिला पैसा देने से इंकार किया तो मारपीट करते हुये चोटे पहुंचाई। घटना के संबंध में पुलिस चौकी से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस सालीचौका निवासी महिला द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि जब वह अपने ज्वेलर्स दुकान पर बैठी हुई थी उसी समय एक महिला आई और शराब पीने के लिये पैसों की मांग की गई तो पैसा देने से इंकार किये जाने पर आरोपी महिला द्वारा गंदी गंदी गालिया देते हुये मारपीट कर चोटे पहुंचाई तथा जाने से मारने की धमकी दी गई। घटना को लेकर प्रार्थिया की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी महिला के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

फावडा मारकर किया घायल

गाडरवारा। पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस ग्राम तूमडा निवासी एक युवक द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि वह हलवाई का काम करता बीते हुये दिवस जब वह अपने साथ में काम करने वाली एक महिला को पैसा देने उसके घर मंगल सिटी आया था उसी दौरान चिंटू गुर्जर वहां आया और बोला की यहां क्यो आया है और गंदी गंदी गालिया देते हुये फावडे से मारपीट कर चोट पहुंचाई तथा जान से मारने की धमकी दी गई। घटना को लेकर पुलिस ने प्रार्थी की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

आषाढ़ माह में बैशाख जैसी तपन से खेतों में लग रही है ततूरी

एक सप्ताह पहले मात्र चंद मिनिट झमाझम शुरूआत के बाद मानसून की बेरूखी ने क्षेत्र के किसानों की बढ़ाई चिंता

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। लगता है कि अपने खेतों में सोयाबीन धान लगाने की तैयारी में जुटे हुये किसानों की उम्मीदों पर मौसम की बेरूखी फिर ग्रहण लगाने के लिये आतुर होते हुये जान पड़ रही है। यदि देखा जावे तो बीते हुये कुछ वर्षो से क्षेत्र का किसान प्रकृति की मार झेलते हुये किसी भी प्रकार से अपनी खेती को लाभ का धंधा बनाने में जुटा हुआ है। मगर प्रकृषि का खेल लगातार किसानों की मेहनत पर पानी फेरने में कोई कसर नही छोड रहा है। क्योंकि जिस प्रकार कृषि के लिये प्रमुख माने जाने वाले गाडरवारा तहसील क्षेत्र के किसानों ने समय पर बारिश की उम्मीद जताते हुये अपने खेतों में सोयाबीन की बोनी तथा धान फसल लगाने की जो तैयारियाँ की गई थी उन पर अब पानी फिरते हुये दिखाई देने लगा है। मानसून से जिस तरह शुरूआत में जिस तरह चंद मिनिट झमाझम बारिश के साथ अपनी आमद दी गई थी उसके चलते किसानों के चेहरों पर खुशी दिखाई देने के साथ उम्मीद लग रही थी कि शायद इस वर्ष मौसम साथ देगा। मगर शुरू दिन चंद मिनिटों की बारिश के बाद जिस तरह मौसम की बेरूखी देखने मिल रही है वह निश्चित ही क्षेत्र के किसानों को चिंता में डालने से नही चूक रही है। जहां एक ओर मौसम विभाग द्वारा भी इस बात की सूचना दी जा रही थी कि प्रदेश में मानसून ने अपनी दशतक दे दी गई है इसी के चलते किसानों खुशी के साथ अपने खेतों में बोनी करने की तैयारियों में जुटा हुआ देखा जा रहा था उन्हें सपने में भी इस बात का अंदेशा नही रहा होगा कि मानसून इस तरह से धोखा देगा खेतों में बोनी के लिये प्रमुख माने जाने वाले आषाढ़ माह में वैशाख माह की तरह तपन से किसानों की उम्मीदों का पसीना निकलने लगेगा। इस तरह प्रकृति की मार झेल रहे किसानों के साथ फिर मौसम खिलबाड़ करते हुये दिखाई देने लगा है। प्रकृति के खेल पर गौर किया जावे तो कुछ वर्षो से लगातार प्रकृति की मार झेलते हुये क्षेत्र का किसान खेती के भरोसे अपना जीवन यापन करने की सोच रखता है उसे प्रकृति की मार लगातार तोड़ते हुये चली जा रही है। कुछ इसी तरह की सच्चाई इस समय फिर दिखाई देने लगी है तथा सोयावीन की बोनी व धान फसल लगाने की तैयारियों में जुटे हुये किसानों की आंखे आस मान की ओर ताकते हुये देखी जा रही है। क्योकि लगातार परेशानियों से जूझ रहे क्षेत्र के किसानों को उम्मीद जागी थी कि शायद इस वर्ष प्रकृति उनका साथ दे देगी जिसके चलते क्षेत्र के किसानों ने अपने खेतों में सोयाबीन सहित धान फसल लगाने की बडे स्तर से तैयारियाँ की गई थी, मगर बारिश के आभाव में उस पर ग्रहण लगाते हुये दिखाई देने लगा है। इस तरह मानसून की बेरूखी के चलते प्रतिदिन क्षेत्र के किसान आसमान की ओर ताकते हुये दिखाई पड़ रहे है। क्योंकि चल रहा आषाढ़ मास बारिश के लिये प्रमुख माना जाता है। मगर जिस तरह आषाढ़ मास बारिश के इंतजार में बैशाख मास की तरह तेज तपन देते हुये खेतों में ततूरी लग रही उसके चलते अन्नदाता की आंखों में आंसू छलकने से नही चूक पा रहे है? क्योंकि धान लगाने के लिये सबसे अच्छा महिना आषाढ़ व सावन का माना जाता है इस हिसाब से किसानों ने धान लगाने की तैयारियां करते हुये जहां अनेक किसानों ने अपने खेतों में नलकूप का पानी भरते हुये धान रोपित कर दी है और कुछ किसानों द्वारा रोपने की तैयारी में जुटे है। मगर अब अच्छी बारिश नही होने के कारण किसानों को अपने खेतों में लगाई गई धान फसल को बचाना मुश्किल हो रहा है। वही दूसरी ओर जिन किसानों के खेतों में अभी तक धान फसल नही लग पाई है। वह अपने खेतों में धान रोपने के लिये बारिश का इंतजार करते हुये आसमान की ओर ताकते हुये देखे जा रहे है। बताया जाता है कि इस समय पड़ रही तेज तपन की स्थिति इस प्रकार से दिखाई पड़ रही है कि जिन किसानों के खेतों में धान रोपित हो चुकी है वह किसी भी प्रकार से उसे बचाने के लिये नलकूपों का सहारा लेकर खेतों का भरने का प्रयास तो कर रहे है। मगर किसानों का कहना है कि मानसूनी पानी व इस प्रकार से नलकूपों के माध्यम से खेतों में भरने वाले पानी में काफी अंतर होता है। क्योंकि इस पानी के माध्यम से धान फसल की सही पैदावार होना असंभव माना जाता है। वही किसानों का कहना है कि यदि चंद दिवस के अंदर अच्छी झमाझम बारिश नही हुई तो निश्चित तौर से किसानों द्वारा अपने खेतों में सोयाबीन की बोनी तथा धान फसल लगाने की जो तैयारियाँ की गई है वह बर्बाद होने से नही बच पायेगी..? इस प्रकार से क्षेत्र के किसान बीते हुये वर्षो की भांति इस वर्ष फिर प्रकृति की मार के सामने बेबश होते हुये दिखाई देने लगे है और इस बात से इंकार नही किया जा सकता है कि यदि चंद दिनों के अंदर क्षेत्र में बारिश नही हुई तो क्षेत्र के किसानों द्वारा अपने खेतों में बारिश के सीजन में पैदा होने वाली फसलों की बोनी करने की तैयारियाँ प्रभावित होने से नही चूक पायेगी।

पुलिस फिर एक युवक को मादक पदार्थों की तस्करी करते हुये किया गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। पुलिस मुख्यालय भोपाल द्वारा अंतर्राष्ट्रीय नशा मुक्ति दिवस के परिप्रेक्ष्य में नशामुक्ति जनजागृति सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है । इसी के चलते जिला पुलिस अधीक्षक अमित कुमार के मार्गदर्शन में एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नागेन्द्र पटेरिया तथा अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) गाडरवारा रत्नेश मिश्रा के निर्देशन एवं थाना प्रभारी उमेश तिवारी के नेतृत्व में गाडरवारा पुलिस ने अवैध मादक पदार्थ स्मैक सहित अन्य प्रकार के धंधों में लिप्त रहने वाले आरोपियों को गिरफ्तार करने में लगातार सफलताये हासिल की जा रही है। इसी के चलते

पुलिस अधीक्षक के द्वारा जिले में मादक पदार्थों के अवैध कारोबार में लिप्त अपराधियों की धरपकड़ के लिये ऑपरेशन प्रहार चलाया जा रहा है । इसी तारतम्य में बीते हुये दिवस जब गाडरवारा पुलिस टीम विवेचना हेतु बाबाशाह की दरगाह के पास पहुंची तो वहां पर बबूल के पेड़ के पास एक संदिग्ध व्यक्ति अपने पास रखा थैला छिपाते दिखाई दिया और वह पुलिस को देखकर भागने का प्रयास करने लगा । संदेह के आधार पर घेरा बंदी कर पुलिस टीम द्वारा आरोपी को पकड़ते हुये जब उससे पूछताछ की गई तो उसने अपना नाम आकाश उर्फ बंठल सेन पिता मुकेश सेन उम्र 30 वर्ष निवासी हनुमान वार्ड बताया गया। वही आरोपी के थैले की तालाशी लेने पर उसके पास से पुलिस को 1 किलो 400 ग्राम गांजा मिला। जिसके चलते पुलिस ने आरोपी के पास से गांजा सहित घटना में प्रयुक्त मोबाईल एवं नगदी कुल राशि सहित अन्य सामग्री जप्त करतेहुये आरोपी खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला कायम करते हुये गिरफ्तार कर मा. न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। इस तरह गांजा तस्कर को पकड़ने के लिये उप पुलिस अधीक्षक रत्नेश मिश्रा के मार्गदर्शन व नगर निरीक्षक उमेश तिवारी के नेतृत्व में बनाई गई टीम में मुख्य रूप से सहायक उप निरीक्षक मोहन पवार,वरिष्ठ आरक्षक व इस तरह के लोगों को पकड़ने में माहीर माने जाने वाले राजेश बागरी सहित प्रधान आरक्षक धनीराम, राम गोपाल सिंह राजपूत, चेतन, मोहन चौरे,अखिलेश पटेल,आरक्षक उत्तम उचाड़िया,राजकुमार,सुजीत बागरी, कुलदीप सिकरवार, देवेन्द्र सोनवंशी, हरिशंकर, महिला आरक्षक नेहा पटेल, गीता अग्रवाल, सैनिक राम प्रसाद की भूमिका अहिम बताई जा रही है।

राम राम करने की बात को लेकर दो पक्षों में हुई मारपीट

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। अक्सर देखा जाता है कि लोग छोटी छोटी बातों को लेकर मारपीट करना शुरू कर देते हुये है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई बीते हुये दिवस सालीचौका पुलिस चौकी के अंतर्गत ग्राम आंडेगांव में देखने मिली है जहां पर राम राम किये जाने की बात को लेकर दो पक्षों में मारपीट होने पर पुलिस द्वारा काउन्टर मामला कायम किया गया है। घटना के संबंध में समीपस्थ सालीचौका पुलिस चौकी से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस ग्राम आंडेगांव निवासी मनोरी पिता जय सिंग चौधरी उम्र 56 वर्ष द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है जब वह अपने बेटे परषोत्तम के साथ घर के आंगन में बैठा हुआ था उसी दौरान रास्ते से गांव का सूरज चौधरी निकता ताो प्रार्थी द्वारा उससे राम राम की गई इसी बात को लेकर वह गंदी गंदी गालिया देने लगा। गाली देने पर प्रार्थी की बेटा बोला की भाई गाली क्यों दे रहे तो आरोपी सूरज द्वारा पास में पड़ा हुआ फावडा मारते हुये चोट पहुंचाई तथा जब प्रार्थी व उसकी पत्नी द्वारा बीच बचाव करने का प्रयास किया गया तो उनके साथ सूरज का साथी राहुल आ गया तो दोनों ने मिलकर मारपीट करना शुरू कर दिया गया। जिसके चलते प्रार्थी सहित परषोत्तम व प्रार्थी की पत्नी को चोटे आई है। वही दूसरे पक्ष की ओर से भी प्रार्थी सूरज पिता दम्मू चौधरी उम्र 25 वर्ष द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि मै मनोरी चौधरी से गन्ना कटाई के पैसे मांगने के लिये गया था तो वह तथा उसका लड़का गंदी गंदी गालिया देते हुये गन्ना काटने के कोता से मारपीट कर चोटे पहुंचाई इस दौरान जब प्रार्थी की माँ व पत्नी बीच बचाव करने पहुंची तो मनोरी, डालचंद द्वारा उनके साथ भी मारपीट की गई। घटना को लेकर पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत पर काउन्टर मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है। फोटो क्रमांक - 8 मारपीट करते हुये

किसके संरक्षण में किया जा रहा है एनटीपीसी क्षेत्र में इस तरह नियम विरूद्व राखड़ का स्टाक

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। कहा जाता है कि जब भी कोई अवैध कारोबार संचालित होता है तो निश्चित तौर से उसमें बडे स्तर का संरक्षण मिलता है तभी संभव हो सकता है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय गाडरवारा क्षेत्र में देखने मिल रही है? क्योंकि गाडरवारा क्षेत्र में स्थापित एनटीपीसी क्षेत्र के लोगों को जहां अभिशाप की तरह प्रतीत होने से नही चूक रही है तो दूसरी ओर यहां पर काम करने वाली कंपनियों की मनमानी आये दिन चर्चा का विषय बनने से नही चूक पा रही है? यदि क्षेत्र की सच्चाई पर गौर किया जावे तो गाडरवारा विधान सभा क्षेत्र का सौभाग्य की कहा जावे की इस बार क्षेत्र को विधायक के साथ साथ मंत्री पद भी मिला है जिसके चलते लोगों द्वारा बडी ही खुशी के साथ इस बात की उम्मीद जताई गई थी कि क्षेत्र में चलने वाले अवैधानिक धंधों पर अब अंकुश लग जावेगा। मगर क्षेत्रवासियों की इस सोच में ग्रहण उस समय लगने से नही चूक पा रहा है जब इस तरह के अवैध कार्यो में अंकुश लगाने की जगह इजाफा होते हुये दिखाई देते हुये जान पड़ रहा है? इस समय क्षेत्र में देखा जावे तो एनटीपीसी से निकलने वाली राखड़ का कारोबार चर्चा का विषय बनने से नही चूक पा रहा है। क्योंकि एनटीपीसी से निकलने वाली इस राखड़ के परिवहन को लेकर जिस तरह ओवर लोडिंग डम्फर दौड़ते हुये देखे जा रहा है। इस सच्चाई को मीडिया द्वारा कुछ दिवस पहले प्रमुखता से उजागर करते हुये राखड़ परिवहन के कारोबार में लगे हुये डम्फरों में किस तरह नियम विरूद्व डम्फर की ट्राली का अतिरिक्त निर्माण कराते हुये ओवर लोडिंग की सच्चाई को दिखाया गया था। जिसको लेकर परिवहन अधिकारी द्वारा जब छापा डालनते हुये डम्फरों की जांच की गई थी तो मीडिया की इस खबर पर मुहर लगने से नही चूक पाई थी। मगर लोग हैरत में उस समय पड़ने से नही चूक पाये थें कि एनटीपीसी की राखड़ के परिवहन से जुडे हुये एक अधिकारी द्वारा परिहवन अधिकारी पर अपनी पहुंच का रौब दिखाते हुये उन्हें चुप रहने का दबाव बनाया जा रहा था। इस तरह राखड के कारोबार से जुडे हुये अधिकारी द्वारा किसी शासकीय अधिकारी के कार्य में बाधा डालते हुये दिखाये गये रौब की सच्चाई का विडियों सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद भी उसके

खिलाफ आज तक किसी तरह की कार्यवाही न होना चर्चा का विषय बना हुआ है। जबकि गौर किया जावे तो गाडरवारा क्षेत्र के विधायक के पास ही परिवहन विभाग होने के बाद भी उन्ही के विभाग के अधिकारी को इस तरह नियम विरूद्व कार्य करने वाली अधिकारी द्वारा आंख दिखाये जाने के बाद चुप्पी सबाल खड़े करने से नही चूक पा रही है? इस तरह एनटीपीसी से निकलने वाली राखड़ के नियम विरूद्व ओवर लोडिंग परिवहन किये जाने वाले मामले की सच्चाई को ज्यादा समय नही निकल पाया है। इसके बाद एनटीपीसी क्षेत्र में नियम विरूद्व हो रही राखड के स्टाक को लेकर एनटीपीस सहित यहां पर काम करन वाली कंपनियों की कार्य शैली फि चर्चाओं का विषय बनने से नही चूक पा रही है औरों द्वारा यही सबाल किया जा रहा है कि इस तरह नियम विरूद्व राखड का स्टाक किसके संरक्षण में किया जा रहा है..? क्योंकि इस समय देखा जा रहा है कि एनटीपीसी क्षेत्र में बडे स्तर पर नियम विरूद्व राखड का स्टाक हो रहा है। अब सबाल यह पैदा हो रहा है कि एनटीपीसी क्षेत्र में उसकी मर्जी के बगैर पत्ता तक नही हिलता है तो फिर इतने बडे स्तर पर स्टाक होने के बाद भी एनटीपीसी के अधिकारियों की चुप्पी अनेक संदेहों को जन्म देने से नही चूक पा रही है? इस तरह एनटीपीसी निकलने वाली राख प्लाई ऐश का एक कपंनी द्वारा बडे स्तर पर स्टाक किया जा रहा है। क्षेत्र के लोगों का कहना है कि स तरह इस राख का यहां पर स्टाक होने के कारण जहां तेज हवा चलने के कारण आसपास के किसानों के खेतों में पहुंचने के कारण उनकी फसलों को क्षति पहुंचने से नही चूक पायेगी तो दूसरी ओर इस मार्ग से निकलने वाले वाहन चालकों के लिये भी बाधा बनते हुये देखी जावेगी। वही दूसरी ओर बताया जाता है कि क्षेत्र के पर्यावरण को भी क्षति पहुंचने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है? इस संबंध में जब एनटीपीसी के कुछ अधिकारियों से चर्चा की गई तो उनका कहना है कि इस तरह राखड नुमा राख का स्टाक करने संबंधी हमारे यहां से किसी तरह की अनुमति नही है और यदि किसी कंपनी द्वारा इस तरह स्टाक किया जा रहा है तो वह नियम के विरूद्व है? इस तरह हो रहे राखड के स्टाक को लेकर जहां एनटीपीसी अपना पल्ला झाडते हुये देखे जा रहे है? वही जनचर्चा व सूत्रों से मिल रही जानकारी के अनुसार इस तरह नियम विरूद्व राखड़ का स्टाक किसी पशुपति नाथ कंपनी द्वारा किये जाने की चर्चाये सुनाई पड़ रही है..? यह कहा तक सत्य है इसे तो वही जाने। मगर अब सबाल यह पैदा हो रहा है कि इस तरह नियम विरूद्व किये जा रहे राखड़ के स्टाक को लेकर आखिरकार किसका संरक्षण मिल रहा है जिसके चलते जहां राखड़ एकत्र करने वाली कंपनी के हौसले इतने बुलंद नजर आ रहे है कि एनटीपीसी के अधिकारियों से लेकर क्षेत्र के विजिले के प्रशासन में बैठे हुये अधिकारियों को तक चुप्प रहते हुये नजर अंदाज करने के लिये मजबूर होना पड़ रहा है? इस तरह क्षेत्र में लगातार नियम विरूद्व हो रहे कार्यो में इजाफा के चलते निश्चित तौर से क्षेत्र में जिम्मेदार जनप्रतिनिधियों की भूमिका पर सबाल खड़े होने के साथ साथ उनकी साख को बट्टा लगने में कोई कसर नही छूट रही है? वही दूसरी ओर क्षेत्र की जनता द्वारा क्षेत्र के विधायक व प्रदेश के कैबिनेट मंत्री राव उदय प्रताप सिंह से अपेक्षा जताई गई है कि इस तरह के कृत्यों पर रोक लगाते हुये सख्त कार्यवाही कराई जावे।

क्षेत्र में अनेक जगहों पर खुलेआम चल रहे मिट्टी का अवैध उत्खनन, प्रशासन की अनदेशी से राजस्व को पहुंच रही हानि

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। इस समय देखा जा रहा है कि क्षेत्र में चल रहे शासकीय कार्यो से लेकर निजी विकास कार्यो के लिये ठेकेदारों द्वारा अपने स्वार्थ के कार्य को पूर्ण करने के लिए जिस प्रकार से क्षेत्र में मिट्टी का अवैध खनन कराया जा रहा है उसके चलते शासन को राजस्व की क्षति पहुंच रही है? इस प्रकार से क्षेत्र में मशीनों के माध्यम से जिस प्रकार बडे स्तर पर मिट्टी का अवैध खनन किया जा रहा है उसके चलते प्रति दिन सैकड़ो डम्फर मिट्टी निकाली जा रही है मगर प्रशासन की उदासीनता के चलते इस अवैध कार्य को जहां बल मिलते हुए देखा जा रहा है। वही दूसरी ओर शासन को राजस्व की हानि भी पहुंच रही है? बताया जाता है कि नियम के अनुसार यदि कोई भी व्यक्ति अपनी निजी जगह से इस प्रकार मिट्टी का खनन करता है तो उसकी भी उसे संबंधित विभाग से अनुमति लेना अनिवार्य होती है? वही नियम के जानमकारों का तो यह तक कहना है कि कोई भी व्यक्ति अपने अधिपत्य की भूमि से सिर्फ एक निर्धारित मात्रा तक निजी उपयोग होतु मिट्टी निकाल सकता है। मगर उसे बेचने का अधिकार नही होता है और निधारित मात्रा से अधिक खुदाई की जाती है तो वह अवैध खनन की श्रेणी में मानी जाती है? मगर इस समय जिस प्रकार से इस क्षेत्र में मशीनों के माध्यम से प्रति दिन सैकड़ो डम्फर मिट्टी निकाली जा रही है वह निश्तिच की नियम विरूद्व दिखाई पड़ने के बाद भी प्रशासन की चुप्पी अनेक संदेहों को जन्म देते हुए दिखाई पड़ रही है? इस संबंध में बताया जाता है कि कुछ क्षेत्र के किसानों को इस प्रकार बाहर से आये हुए ठेकेदारों द्वारा धन को लालच देते हुए जहां उनकी निजी भूमि से खुलेआम भारी मात्रा में मिट्टी का खनन किया जा रहा है। वही कुछ जगहों पर तो शासकीय भूमि को खोदकर निकाली गई मिट्टी के चलते वहां पर जान लेवा गड्ढे बनकर रह गये है जो आने वाले समय में इस क्षेत्र के लोगों के जीवन को संकट में डालने से नही चूकेगे? इस प्रकार से क्षेत्र में चल रहे बड़े स्तर पर मिट्टी के अवैध खनन को लेकर जब क्षेत्र के कुछ सरपंचों से पूछा गया तो उनके द्वारा भी इस प्रकार से चल रहे मिट्टी के अवैध खनन को लेकर किसी भी प्रकार की अनुमति प्रदान करने की बात को लेकर इंकार करते हुए बताया

गया है कि पता नही इस प्रकार से इन ठेकेदारों द्वारा किसी अनुमति से मिट्टी निकाली जा रही है? जब सबाल यह पैदा हो रहा है कि जब क्षेत्र की पंचायतों के सरपंचों द्वारा अनुमति देने की बात तो दूर उन्हें जानकारी तक नही है इसे बाद भी क्षेत्र के लोगों द्वारा जहां अपनी निजी भूमि से मिट्टी से निकलवाते हुए पैसा बसूले जा रहे है तथा शासकीय भूमि को भी नही बख्सा जा रहा है? जबकि बताया जाता है कि जब कही किसी भी क्षेत्र में इस प्रकार से मिट्टी निकाली जाती है तो उसे क्षेत्र के सरपंच से अनुमति प्रदान करने के साथ साथ अन्य अधिकारियों से भी अनुमति लेना अनिवार्य होता है जिसमें प्रमुख रूप से पंचायत सरपंच की अनुमति प्रमुख मानी जाती है? मगर इस क्षेत्र में पंचायत सरपंचों की अनुमति के बगैर ही प्रति दिन सैकड़ो डम्फर मिट्टी खुलेआम निकाले जाने के बाद भी प्रशासन द्वारा इस सच्चाई को नजर अंदाज किये जाने से अनुमान लग रहा है कि कही ऐसा तो नही प्रशासन के अधिकारियों द्वारा अपने स्तर पर लक्ष्मी पूजन करते हुए सभी नियमों को दर किनार कर इस प्रकार से मिट्टी का अवैध खनन करने वालों को अभयदान प्रदान कर दिया गया हो जिसके चलते वह खुलेआम क्षेत्र की जमीनों की मिट्टी निकालते हुए अपने निजी स्वार्थ को पूर्ण करने में कोई कसर नही छोड़ रहे है।

विभागों में कर्मचारियों की कमी के चलते अनेक योजनाओं पर समय से नहीं हो पा रहा अमल

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। यह बात अलग है कि केन्द्र से लेकर प्रदेश सरकार द्वारा आम लोगों के हितों को ध्यान में रखते हुए अनेक प्रकार की जन कल्याणकारी योजनाएं चलाते हुए वह आमजन का भला करने की सोच रखे हुए है, मगर उन योजनाओं का सही क्रियान्वयन की सच्चाई पर गौर किया जावे तो वह अनेक विभाग में चल रही अधिकारियों व कर्मचारियों की कमी के चलते शासकीय योजनाओं का क्रियान्वयन मात्र औपचारिकता पूर्ण ही साबित होते हुए जान पड़ रहा है? क्योंकि सरकार की बेहतर मानी जाने वाली जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की गति वर्तमान में धीमी होने की स्थिति में इन दिनों क्षेत्रवासी निराशा में डूबने मजबूर हो गए है? जानकार सूत्रो के अनुसार यदि देखा जावे तो सरकार आमजनों के हितों को ध्यान में रखते हुए शुरू की गई अधिकांश योजनाओं के जमीनी धरातल पर अमल में लाने के लिए शासकीय विभागो में कर्मचारियों की कमी बाधा बन रही है या फिर अधिकारी अपनी वाही वाही लूटने के उद्वेश्य से उन योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने के नाम पर सिर्फ कागजों तक सीमित रखते हुए सिर्फ औपचारिकता निभाते हुए ही जान पड़ रहे है? क्योंकि लगातार जन सुनवाई कार्यक्रमों का आयोजन होने के बाद भी आये दिन लोगों को अपनी समस्याओं के चलते अधिकारियों से लेकर नेताओं के कार्यालयों के चक्कर काटते हुये आसानी से देखा जा रहा है। जिसमें उनके द्वारा अपनी शिकायतों में यह बात का उल्लेख करते हुये देखे जा रहे है कि उन्हें इस योजना का लाभ नही मिल रहा है या फिर इस समस्या से जूझ रहे है? अब सबाल यह पैदा हो रहा है कि जब शासन के अधिकारियों द्वारा निर्धारित दिवसों पर जन सुनवाई या फिर शिविरों का आयोजन करते हुये शासन की योजनाओं का लाभ हितग्राहियों तक पहुंचाया जा रहा है तो फिर इसके बाद लोग परेशान होते हुये क्यों घूम रहे है, निश्चित ही आम लोगों को परेशान होते हुये देखकर इस बात का खुलासा होने से नही चूक पा रहा है कि अधिकारियों द्वारा आमजन की समस्याओं का निराकरण करने या फिर में दिलचस्वी नही ली जा रही है या फिर मात्र औपचारिकता ही निभाई जा रही है, जिसके चलते आम लोगों को परेशान होते हुये देखा जाना आम बात बन चुकी है? वही दूसरी ओर अनेक शासकीय विभाग कर्मचारियों की कमी से भी जूझते हुये देखे जा रहे है जिसके चलते आमजनों के लिये परेशानी का कारण साबित होने से नही चूक पा रहा है। क्योंकि इस समय अनेक शासकीय विभागो में कार्यरत कर्मचारियो के सेवानिवृत्त होने का सिलसिला चल रहा है और बहुत से शासकीय कर्मचारी ऐसे है जिन्हे तबादला फेक्ट्री की भेंट चढ़ा दिया गया है। जिसके चलते अनेक विभागों में खाली हुई पदों की भरपाई नही होने की स्थिति में वह पद खाली पड़े हुये है जिनके माध्यम से आम लोगों को शासन की योजनाओं का लाभ मिल सकता था, मगर जब उन पदों पर जिम्मेदार अधिकारी या कर्मचारी ही नही होगे तो फिर शासन की योजनाओं का समय पर लाभ मिल पाना मात्र एक कल्पना के आलवा और कुछ साबित होने वाला नही है।

खबर संक्षेप

एएसआई अशोक मानकर ने जरूरतमंद को किया रक्तदान

डिंडौरी। आदिवासी जिला डिंडोरी में वैसे तो बहुत से पुलिस कर्मी है जो समय समय में जरूरतमंदों की मदद के लिए सदैव अपनी ड्यूटी के दौरान आगे रहते है उनमें से एक है एएसआई अशोक मानकर। जिनके द्वारा आज जरूरतमंद महिला को रक्तदान कर मदद की है।kएएसआई अशोक मानकर ने बताया की उनके द्वारा यह 12वी बार रक्तदान किया गया है और वे बेहद खुश है। आदिवासी जिला डिंडोरी में रक्तदान के प्रति लोगो में जागरूकता का अभाव रहता है और लोग झिझकते हैं, जिसके चलते जरूरतमंद रक्त की कमी से जूझता है। एएसआई अशोक मानकर स्वयं जिला चिकित्सालय की अस्पताल चैकी में पदस्थ है जो रोजाना किसी न किसी जरूरतमंद की मदद के लिए हमेशा तैयार रहते है। समाजसेवियों ने एएसआई अशोक मानकर द्वारा किए गए नेक कार्य की प्रशंसा की है।

राजस्व अधिकारियों को दिये गए नवीन प्रभार

डिंडौरी। कलेक्टर विकास मिश्रा ने प्रशासनिक व्यवस्था के दृष्टिकोण से अनुविभाग डिंडौरी में पदस्थ अधिकारियों को नवीन प्रभार सौंपने के आदेश जारी किए हैं। जारी आदेश के मुताबिक वर्तमान प्रभारी तहसीलदार डिंडौरी पंकज नयन तिवारी को अमरपुर वृत्त के लिए तहसीलदार का प्रभार दिया है। इसी प्रकार से नायब तहसीलदार वृत्त अमरपुर आर.पी. मार्को को डिंडौरी वृत्त के लिए तहसीलदार का प्रभार व नायब तहसीलदार वृत्त शाहपुर शशांक शेंडे को शाहपुर के साथ-साथ नेवसा वृत्त का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है।

राजस्व निरीक्षक ओमप्रकाश वर्मा निलंबित

डिंडौरी। कलेक्टर विकास मिश्रा ने राजस्व निरीक्षक ओमप्रकाश वर्मा रा.नि.मं.गाडासरई को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया है। उल्लेखनीय है कि राजस्व निरीक्षक का शराब के नशे में किसान से अभद्रतापूर्ण व्यवहार किये जाने का वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हुआ है, जिसमें वे किसान से अभद्रतापूर्ण व्यवहार करते पाये गए। अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) बजाग के द्वारा भी प्रतिवेदन पेश कर तत्संबंध में कलेक्टर कार्यालय को अवगत कराया गया है। ओमप्रकाश वर्मा का यह कृत्य अशोभनीय कृत्य की श्रेणी में आकर म.प्र. सिविल सेवाएं (आचरण) नियम 1965 के नियम 3 के अंतर्गत कदाचरण की श्रेणी में आता है। इसके अलावा राजस्व कार्यों की समीक्षा के दौरान भी उनका कार्य संतोषजनक नही पाया गया है। अतः उपरोक्त कृत्य के लिए राजस्व निरीक्षक को म.प्र. सिविल सेवाएं (वर्गीकरण नियंत्रण तथा अपील) नियम 1966 के नियम 9 के तहत तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया। निलंबनकाल में राजस्व निरीक्षक का मुख्यालय कार्यालय अधीक्षक भू-अभिलेख, डिण्डौरी होगा और इन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ते की पात्रता होगी।

प्रत्येक मतदान केंद्र पर एक होगा पौधा मां के नाम अभियान का आगाज

उमरिया। माता और प्रकति निस्वार्थ प्रेम की प्रतिमूर्ति है। मातृशक्ति और प्रकृति के संवर्धन के उद्देश्य से विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर माननीय प्रधानमंत्री जी ने एक पौधा माँ के नाम अभियान का शुभारंभ किया था। आप सभी जिलेवासियों से भी विनम्र आग्रह है कि मातृशक्ति के सम्मान एवं पर्यावरण संरक्षण के इस महत्वपूर्ण अभियान से जुडक़र अधिकाधिक संख्या में वृक्षारोपण करें व हरित उमरिया, समृद्ध उमरिया के संकल्प को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं।एक पौधा माँ के नाम अभियान प्रतीक है माँ के प्रति आदर का, सम्मान का, निष्ठा का, कर्तव्य का।आइये, कदम बढ़ाइये,और एक पौधा माँ के नाम लगाइये दिलीप पांडे जी ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण जीवन को सुरक्षित करने जैसा है। स्वस्थ पर्यावरण ही सुरक्षित समृद्ध शशक्त जीवन की गारंटी है।

16 सूत्रीय मांगों को लेकर आंदोलन

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका संघ ने सीएम के नाम सौंपा ज्ञापन

संपर्क एप बंद किए जाने, 3 से 6 वर्ष के बच्चों के सरकारी स्कूलों में प्रवेश के आदेश को निरस्त किए जाने एवं अन्य समस्याओं के निराकरण किए जाने की मांग

आईसीडीएस केंद्र सरकार की योजना है पोषण ट्रैक्टर एप केंद्र सरकार का एप है इसमें पूरे देश में कार्य किया जा रहा है। इस एप में आईसीडीएस संबंधी सर्वे से लेकर सभी रजिस्टरों का कार्य करवाया जा रहा है। ऐसी कोई भी जानकारी नहीं है जो पोषण ट्रैकर एप में न ली जा रही हो।

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी।

मध्य प्रदेश में अलग से संपर्क एप में वही काम लिया जा रहा है जो पोषण ट्रैक्टर में भी लिया जा रहा है। इस तरह आंगनवाड़ी कर्मियों को बही कार्य दो एप-पोषण टैंकर एप एवं संपर्क एप में करना पड़ रहा है इससे एक ही काम को पुनरावर्ती होने के साथ काम में समय डबल लग रहा है। दो एप में एक साथ काम करने में समस्या पैदा हो रही है। पोषण ट्रैक्टर एप तो खुल जाता है लेकिन संपर्क एप खोलने में कई बार दो,दो तीन,तीन घंटे लग जाते हैं। नेटवर्क का समय पर न मिलाना, नेटवर्क आते जाते रहना और बहुत से गांव ऐसे भी हैं जहां केंद्र से तीन चार किलोमीटर दूर जाकर ऊंचे स्थान पर चढ़कर नेटवर्क मिलता है। जैसे पहाड़ी पर या कहीं ऊंचे घर है तो उनकी छत के किसी कोने में जाकर नेटवर्क मिलता है और कभी नेटवर्क मिलता भी नहीं है। ऐसी स्थिति में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता काम तो कर रही होती है लेकिन उसके काम की गणना नहीं होती और उसके मानदेय की भी कटौती कर ली जाती है। काम करने पर भी उसका मानदेय काट लिया जाता है जो सरासर अन्याय है।

सरकार द्वारा जो मोबाइल दिए गए हैं उनमें व्हाट्सएप भी डाउनलोड नहीं होता है। जिससे फोटो भेजना भी मुश्किल होता है। मोबाइल की क्षमता कम होने के कारण लोड नहीं लेता है। ऐसी बहुत सी समस्याएं मोबाइल में है जिसके कारण आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को दो-दो एप में काम करना बड़ा मुश्किल हो रहा है। हर दो-तीन दिन में नया वर्जन आता है जिसे डाउनलोड करने में भी परेशानी होती हैं। अतः पोषण ट्रैकर एप को निरंतर किया जाए यदि उसमें कुछ कमी है तो उसे कभी को पोषण ट्रैकर ऐप में ही जोड़ दिया जाए एवं संपर्क एप को बंद किया जाए। पोषण ट्रैकर ऐप में ही काम करवाया जाए।

किसी भी एप में मानदेय को ना जोड़ा जाए किसी भी तरह की मानदेय में कटौती बंद की जाए। मध्य प्रदेश की भौगोलिक स्थिति को देखते हुए इस बात पर भी गौर किया जाए कि हर समय हर जगह नेटवर्क मिलेगा यह जरूरी नहीं है। कभी सर्वर रहता है तो कभी सर्वर डाउन हो जाता है जिसके कारण कार्य प्रभावित होता है जिससे समय पर कार्य नहीं हो पता है इस बात को भी ध्यान में रखा जाना चाहिए। यदि नेटवर्क के माध्यम से काम होगा तो नेटवर्क नहीं रहने पर काम भी प्रभावित होगा इसमें आंगनबाड़ी कर्मियों की कोई गलती नहीं होती इसलिए एप से मानदेय को अलग रखा आए।

आंगनबाड़ी कर्मियों से ऑनलाइन काम लिया जाए या ऑफलाइन काम लिया जाए, सभी रजिस्टर आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को संधारित करने पड़ते हैं लेकिन 2013 से आज तक विभाग की ओर से रजिस्टर नहीं दिए गए है। उसके लिए किसी तरह का कोई भुगतान नहीं किया जाता है। यदि ऑफलाइन काम करवाना है तो उसके लिए रजिस्टर उपलब्ध करायें जाएं या जो भी अधिकारी केंद्र में जांच के लिए आए वह मोबाइल में संधारित रजिस्टरों से अवलोकन करें रजिस्टर की मांग आंगनबाड़ी केन्द्रों में ना की जाए। सरकार द्वारा 3 से 6 वर्ष के बच्चों के लिए सरकारी स्कूलों में एडमिशन के आदेश जारी किए गए हैं इससे आंगनवाड़ी में आने वाले बच्चे स्कूल में जाने से आंगनबाड़ी में बच्चों की उपस्थिति नगण्य हो जाएगी। आईसीडीएस योजना जब शुरू की गई थी तब यह परिकल्पना की गई थी कि इस योजना का उद्देश्य क्या होगा जिसके लिए इस योजना को शुरू किया गया था उसमें मातृ मृत्यु दर एवं बाल मृत्यु दर को कम करने, बच्चों में कुपोषण की दूर करने, गर्भवती महिला को टीकाकरण व पोषण आहार देने, धात्रि महिला को पोषण आहार और पोषण शिक्षा देने, जीरो से 6 वर्ष के बच्चों को टीकाकरण, पोषण आहार वितरण करने और 3 से 6 वर्ष के बच्चों को आंगनबाड़ी केदो में अनौपचारिक शिक्षा देने की सेवाएं मुख्य रूप से शामिल हैं जो आज तक आंगनबाड़ी केन्द्रों में दी भी जा रही है। राज्य शिक्षा केंद्र द्वारा क्रमांक/पा,पु/ सीसीई/ 2024/ 746/ भोपाल, दिनांक 27.3.2024 को आदेश जारी किया गया जिसमें कुछ जिलों के चयनित विद्यालय में पूर्व प्राथमिक कक्षाएं संचालित की जाएगी जिसमें के जी-1, के जी-2, 3 से 6 वर्ष के बच्चों के लिए प्रदेश के पांच जिलों में भोपाल, छिंदवाड़ा, सीहोर, सागर, एवं शहडोल के 1415 विद्यालय में 15 जून 2024 से संचालन प्रारंभ किए जाने वाले हैं। यदि आंगनवाड़ी में आने वाले बच्चे स्कूलों में प्रवेश लेंगे तो आईसीडीएस योजना का क्या होगा? क्या बच्चों को आईसीडीएस द्वारा दी जाने वाली सेवाओं से वंचित कर दिया जाएगा ?संगठन उक्त आदेश को निरस्त करने की मांग करता है और आंगनबाड़ी का विस्तार करते हुए आंगनबाड़ी में ही के. जी,के.जी.-1, के.जी.-2, की शिक्षा दिए जाने की व्यवस्था किए जाने की मांग करता है।

संघ की 16 सूत्रीय प्रमुख मांगे

उक्त परिस्थितियों को देखते हुए संपर्क एप तत्काल बंद किया जाए। सरकारी स्कूलों में 3 से 6 वर्ष के बच्चों के प्रवेश के सरकारी आदेश पर रोक लगाई जाए। आंगनवाड़ी केन्द्रों (में ही के जी.-1, के. जी. 2, की शिक्षा दिए जाने की व्यवस्था की जाए। सहायिका से कार्यकर्ता पद पर पदोन्नति में उम्र का प्रावधान समाप्त किया जावे एवं पूर्व के आदेशों की तरह पदोन्नति की जावे। मिनी कार्यकर्ता को पुल कार्यकर्ता बनाए जाने के अन्य राज्यों की तरह तत्काल आदेश जारी किए जाएं मिनी कार्यकर्ताएं केंद्र में अकेले होने के कारण बच्चों को स्वयं बुलाने जाना पड़ता है जिसके कारण केंद्र का कार्य एवं सुबह की उपस्थिति लगाना प्रभावित होता है। ग्रेच्युटी का लाभ सेवेनिवृत्त हुए सभी आंगनबाड़ी कर्मियों को दिया जाए। आंगनवाड़ी कर्मियों को अप्रैल 2024 से लागू मानदेय वृद्धि का तत्काल एरियर सहित भुगतान कराया जावे। आंगनवाड़ी कर्मियों के सेवानिवृत्त होने पर सेवानिवृत्ति लाभ की राशि उनके अधिम मानदेय के साथ भुगतान की जाए सेवानिवृत्ति लाभ की राशि के लिए उन्हें कार्यालयों के चक्कर ना लगाने पड़े। आंगनवाड़ी कर्मियों की सेवा काल में मृत्यु होने पर 5 लाख रुपए की राशि मृत्यु उपरांत परिवार को सहायता राशि के रूप में दी आय।

आंगनवाड़ी भवन किराया बढ़ी हुई नई दरों पर भुगतान किया जाय।

आंगनबाड़ी केंद्रों में पोषण ट्रैकर में 100 प्रतिशत उपस्थित मांगी जाती है पर 100 प्रतिशत बच्चे केन्द्रों में नहीं आते। इसलिये उपस्थित बच्चों की वास्तविक संख्या को पोषण ट्रेकर में दर्ज करने की अनुमति दिया जाये। टेक होम राशन 2 वर्षों से पूरे प्रदेश में आंगनबाड़ी कार्यकर्तायें गोदाम से आंगनबाड़ी केंद्र तक स्वयं के परिवहन से ले जा रही हैं लेकिन उन्हें आज तक परिवहन व्यय नहीं दिया गया है। कृपया तत्काल भुगतान कराया जाए। राशन आंगनबाड़ी केंद्रों तक पहुंचाने की व्यवस्था की जाए। आंगनवाड़ी केन्द्रों में उपयोगिता से कम टेक होम राशन दिया जाता है उपयोगिता के अनुसार पर्याप्त राशन दिया जाए। पर्याप्त मात्रा में राशन केन्द्रों में नहीं होने पर हितग्राहियों को कम दिन का वितरण होता है जिसके कारण अधिकारियों द्वारा कम दिन पोषण आहार वितरण के आरोप में आंगनबाड़ी कर्मियों की मानदेय कटौती की जाती है। टेक होम राशन नहीं होने की स्थिति में भी आंगनबाड़ी कर्मियों को पूरे दिनों का टेक होम राशन वितरण दिखाने के लिए विवश किया जाता है। इस तरह हर बात पर गलती ना होने के बाद भी मानदेय कटौती किए जाने की प्रथा को बंद किया जाए।

जिन आंगनबाड़ी भवनों में पानी लाइट पंखे नहीं है उन में पानी लाइट पंखे की व्यवस्था की जाए।

स्कूलों में शीतकालीन अवकाश एवं ग्रीष्म कालीन अवकाश में स्कूलों से सांझा चूल्हा से प्राप्त होने वाला भोजन आंगनबाड़ियों में प्राप्त नहीं होता जिसके कारण बच्चों को भोजन नहीं मिल पाता एवं वे भोजन लाभ से बंचित रह जाते हैं जबकि रिपोर्ट में बच्चों को भोजन वितरण दिखाया जाता है। भोजन न मिलने पर भी रिपोर्ट में दिखाना यह गलत है इसे बंद किया जाना चाहिए और स्कूलों की छुट्टी होने पर भी आंगनबाड़ी के बच्चों को भोजन प्राप्त होना चाहिए यह विभाग की जिम्मेदारी है।आंगनबाड़ी कर्मियों को किसी भी मीटिंग व ट्रेनिंग में जाने आने के लिए टी ए डी ए दिया जाए। हर माह 4- 5 बार सेक्टर बैठक एवं परियोजनाओं में बुलाया जाता है जिसका टी ए डी ए नहीं दिया जाता है, भुगतान कराया जावे। उच्च न्यायालय के आदेश अनुसार आंगनवाड़ी कर्मियों से अन्य विभागों का कार्य न लिया जाए। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता से पर्यवेक्षक के पद पर नियुक्ति के लिए उम्र का प्रावधान खत्म किया जाए सभी को परीक्षा देने की अनुमति दी जाए जो परीक्षा पास होगा वहीं पर्यवेक्षक के पद पर नियुक्त का हकदार होगा।

सक्षम जीवन कौशल के तहत तीन दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न

अनूपपुर। जनजातीय कार्य विभाग और मैजिक बस इंडिया फाउंडेशन के संयुक्त तत्वाधान में जिले के स्कूलों में सक्षम जीवन कौशल कार्यक्रम संचालित है जिसमें शिक्षकों के द्वारा खेल गतिविधियों के माध्यम से जीवन कौशल सिखाया जा रहा है। कार्यक्रम के अंतर्गत तीन दिवसीय सीवाईएल का प्रशिक्षण अनूपपुर जिले के अनूपपुर विकासखंड में संपन्न हुआ जिसमें अनूपपुर ब्लॉक के 20 युवा युवतियों ने सम्मिलित होकर प्रशिक्षण प्राप्त किया जो विद्यार्थी स्कूल नियमित नहीं आते हैं उन्हें चिन्हित कर हितधारको के सहयोग से स्कूल नियमित पहुंचने का सहयोग प्रदान करेंगे साथ ही स्कूल में जो सक्षम कार्यक्रम चल रहा है उसमें बच्चों को मैजिक सीट मेरी सीख की किताब को बनाने में मदद करेंगे एवं शाला प्रबंधन समिति को सुदृढ़ बनाने का कार्य किस तरह से करें ताकि स्कूल में और समुदाय में शिक्षा के स्तर में सुधार किया जा सके साथ ही बाल संसद को सुसज्जित बनाने के विषय पर भी समुदाय युवा नेता की समझ बढ़ाई गई इस प्रशिक्षण में खेल-खेल के माध्यम से प्रशिक्षण प्रदान किया गया और गांव की समस्या को चिन्हित कर हितधारकों के सहयोग से समस्या का कारण और समाधान के विषय पर समझ बढ़ाई गई। प्रशिक्षण से युवाओं में उत्साह दिखाई दिया कि हम अपने गांव की समस्या को पहचान कर निवारण करेंगे और इस कार्यक्रम में भागीदारी लेते हुए जिम्मेदारी लेंगे और समुदाय में समस्या समाधान करने में निरंतरता लाने के संबंध पर कार्य करेंगे।

अंतर्राष्ट्रीय नशा निवारण दिवस पर उत्कृष्ट विद्यालय डिंडौरी में आयोजित हुआ कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी।

सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा उत्कृष्ट विद्यालय डिंडौरी में आज बुधवार को जिला पंचायत अध्यक्ष रूद्रेश परस्ते एवं नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती सुनीता सारस की अध्यक्षता में नशा निवारण दिवस के अवसर पर रंगोली, चित्रकला, भाषण, पेंटिंग, मैराथन, संगोष्ठी, रैली, नुक्कड़ नाटक आदि विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिपं अध्यक्ष रूद्रेश परस्ते ने बच्चों को घर, समाज और जन-जन तक नशे से दूर रहने व उससे होने वाले दुष्परिणाम से बचने हेतु बच्चों की पाती के माध्यम से समाज में संदेश पहुंचाने अपील की। वह सभी को स्वयं एवं समाज को नशा मुक्त रखना शपथ दिलाई गई। साथ ही उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए बच्चों एवं जन जागरण कार्यक्रम हेतु उत्कृष्ट कार्य हेतु कर्मचारी और समाजसेवियों व छात्रों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर उपसंचालक सामाजिक न्याय श्याम सिंगौर, प्राचार्य उत्कृष्ट विद्यालय डिंडौरी एस.के द्विवेदी, धर्मवीर मार्को, तंबाकू नियंत्रण अधिकारी श्रीमती लतिका डेनियल, राहुल शर्मा, निधि श्रीवास्तव, रुचि विनोदिया सहित सामाजिक न्याय विभाग के अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

एसडीएम शहपुरा ने अपने जन्मदिन पर किया वृक्षारोपण

अनुभाग शहपुरा अंतर्गत विद्यालय एवं आंगनबाड़ी परिसरों में रोपे गए 5631 पौधे

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी।

कलेक्टर विकास मिश्रा के निर्देशन में जिले में वृहद स्तर पर वृक्षारोपण किये जा रहे हैं। इसी क्रम में आज एसडीएम शहपुरा अनुराग सिंह ने आज अपने जन्मदिन पर विभिन्न स्थानों में वृक्षारोपण किया। उन्होंने इस पहल से लोगों को पर्यावरण सरंक्षण के प्रति जागरूक रहते हुए वृक्षारोपण करने संदेश दिया है। अनुविभाग शहपुरा अंतर्गत शहपुरा मेहंदवानी के सीईओ, बीईओ, बीआरसी और परियोजना अधिकारियों को सभी स्कूल कार्यालय, आंगनवाड़ी केंद्रों, नर्मदा जी और सिलगी नदी के दोनों किनारों में चिन्हित स्थलों पर एक माह पूर्व से ही गड्ढे तैयार करने निर्देशित किया गया था। उक्त विभागों के अधीनस्थ अमले को वन विभाग के माध्यम से प्रशिक्षण दिलाते हुए व्यवस्थित पौधरोपण कार्यक्रम में संस्थावार आवश्यकतानुसार पौधे पहुचाने की योजना तैयार की गई है। आज एसडीएम शहपुरा के निर्देशानुसार 240 विद्यालय परिसरों में 3000 एवं 259 आंगनबाड़ी परिसरों में 2631, इस प्रकार से कुल 5631 पौधे रोपे गए। संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि प्रत्येक पौधे की देखरेख सुरक्षा खाद पानी की समुचित व्यवस्था पर हेतु संस्था स्तर पर जिम्मेदारी तय की जाए और यदि पौधा किसी कारणवश खराब होता है तो संस्था अपने स्तर पर पुनः पौधा लगाने की व्यवस्था करें। आज पौधारोपण के दौरान बीईओ पीडी पटेल, बीआरसी गुरूप्रसाद साहू, आंगनवाड़ी सुपरवाईजर सुश्री आकांक्षा नामदेव सहित आश्रम शाला कटंगी के विद्यार्थी, पालकगण एवं ग्रामवासी मौजूद रहे।

अनूपपुर में मंडल स्तर पर मनाया गया हिन्दू साम्राज्य दिवस

अनूपपुर।

छत्रपति वीर शिवाजी को हिन्दुस्तान में हिन्दू पद पादशाही का संस्थापक माना जाता है। उन्होने मुगलों के विरुद्ध मराठा साम्राज्य की स्वतंत्रता को वीरता पूर्वक बनाए रखा। वे भारत में शौर्य, समर्पण और हिन्दू एकता के सच्चे ध्वज वाहक थे। छत्रपति वीर शिवाजी महाराज जी के जन्मोत्सव के 350 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य मे हिंदू साम्राज्य दिवस का कार्यक्रम 20 से 23 जून तक पूरे देश में मनाया गया। इसी तारतम्य में अनूपपुर जिले के सभी मंडलों में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला संघ चालक राजेन्द्र तिवारी, जिला व्यवस्था प्रमुख हरिशंकर वर्मा, सामाजिक समरसता के जिला संपर्क प्रमुख मनोज कुमार द्विवेदी, दिलीप शर्मा, दिनेश तिवारी सहित अन्य लोगों की उपस्थिति में जिला मुख्यालय सहित चचाई, मण्डल पिपरिया, बरबसपुर एवं मेडियारास में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। बरबसपुर स्थित कोल समाज के शिव मन्दिर में उक्त पदाधिकारियो के साथ आनंद राम कोल की अध्यक्षता एवं बिसाहूलाल रौतेल, ज्ञानेन्द्र सिंह परिहार, फणिदास, भैया लाल राठौर, संतोष रजक, रामजी, सुजीत नापित, राजन यादव, लखन लाल कोल, सेजराम कोल, भोले, रासु सिंह, पुरुषोत्तम पटेल, नर्मदा पटेल सहित अन्य लोगो की उपस्थिति में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला संघ चालक ने उपरोक्त विचार व्यक्त किये। वीर शिवाजी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए श्री तिवारी ने कहा कि शिवाजी का जन्म 19 फरवरी 1630 को शिवनेरी दुर्ग, पुणे, महाराष्ट्र में हुआ था। उनका पूरा नाम शिवाजी राजे भोंसले था। उनके पिता का नाम शाहाजी और माता का नाम जीजाबाई था। शिवाजी पर उनकी मां के धार्मिक गुणों का गहरा प्रभाव था। शिवाजी की प्रारंभिक शिक्षा घर पर ही हुई। उन्हें धार्मिक, राजनीतिक, और युद्ध विद्या की शिक्षा दी गई।

हरिभूमि

नर्मदा भूमि

10

जबलपुर, गुरुवार 27 जून 2024

login : www.haribhoomi.com

करेली | तेंदूखेड़ा | श्रीधाम | सालीचौका | सुआतला | गाडरवारा | राजमार्ग | साईंखेड़ा | चीचली | करकबेल

खबर संक्षेप

किसानों से पानी हेतु मांग पत्र आमंत्रित

नरसिंहपुर। वर्ष 2024 की खरीफ फसलों की बरगी नहरों से सिंचाई के लिए जल लेने गोटेगांव व नरसिंहपुर तहसील के लगभग 126 ग्रामों के किसानों से 31 जुलाई 2024 पूर्व मांग पत्र एवं अनुबंध प्रस्तुत करने के लिए कहा गया है, ताकि नहरों से खरीफ फसलों के लिए निर्धारित तिथि से जल प्रवाह किया जा सके। इन ग्रामों में मुख्य नहर 63.420 से 81.300 किमी तक वितरण प्रणालियों में क्रमशः हरेरी शाखा नहर एवं करेली वितरण नहर व देवरी वितरण नहर, बगासपुर माइनर, रामनिवारी माइनर, तिघरा माइनर एवं कमांड की माइनरों सब माइनरों से लगभग 3 हजार हेक्टर भूमि में निर्मित नहर प्रणाली से खरीफ फसलों की सिंचाई करने का लक्ष्य रखा गया है। यह जानकारी कार्यपालन यंत्री रानी अवंती बाई लोधी सागर डिस्नेट संभाग गोटेगांव ने दी है। इस सिलसिले में कार्यपालन यंत्री ने संबंधित ग्रामों के किसानों से आग्रह किया है कि वे जल उपभोक्ता संथा दबकिया, कुसीवाड़ा, कमोद, भैंसा, तिंदनी, मुराछ, मनकवारा, बगासपुर, देवनगर, आंखीबाड़ा, देवरी व खमरिया से अनुविभागीय अधिकारी रानी अवंती बाई लोधी सागर नहर गोटेगांव व बगासपुर को 31 जुलाई 2024 के पूर्व तक मांग पत्र एवं अनुबंध पत्र प्रस्तुत करें।

टॉस्क फोर्स समिति की बैठक सम्पन्न

नरसिंहपुर। जिला स्तरीय टॉस्क फोर्स समिति की बैठक कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में कलेक्टर श्रीमती पटले ने कहा कि बाल एवं कुमार (प्रतिषेध एवं विनिमयन) अधिनियम 1986 संशोधित 2017 के अंतर्गत सभी अधिकारी अपने-अपने निरीक्षण के दौरान यह सुनिश्चित करें कि कहीं पर बाल श्रम न हो और बाल श्रम पाये जाने पर तत्काल इसकी सूचना टास्क फोर्स समिति को देने के निर्देश दिये। जिला स्तरीय टॉस्क फोर्स समिति की बैठक में बाल एवं कुमार (प्रतिषेध एवं विनिमयन) अधिनियम की जानकारी दी एवं विभाग द्वारा प्रचार- प्रसार की जानकारी भी दी गई। उक्त बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला शिक्षा अधिकारी, जिला खाद्य अधिकारी, जिला श्रम पदाधिकारी, मप्र जन अभियान, नोडल अधिकारी एवं अन्य सदस्य मौजूद थे।

व्यावसायिक शिक्षकों ने सौपा ज्ञापन

नरसिंहपुर। मंगलवार को जिले के शासकीय स्कूलों मे मे अपनी सेवाएं दे रहे व्यवसायिक शिक्षकों ने जिला मुख्यालय मे एकत्रित होकर कलेक्टर एवं जिला शिक्षा अधिकारी को ज्ञापन सौपा, जिले के विभिन्न तहसीलों से एकत्रित हुए व्यवसायिक शिक्षकों ने ज्ञापन देकर मांग की है की आगामी आदेश तक सभी व्यवसायिक शिक्षकों की सेवाएं स्थगित की गई हैं, जबकि इसी संबंध मे जारी किये गए पत्र क्रमांक 2 के अनुसार सत्र 2024-25 मे व्यवसायिक शिक्षा का प्रचार प्रसार एवं प्रवेश प्रक्रिया महत्वपूर्ण हैं, किंतु असमय ही आगामी आदेश तक सेवाएं स्थगित कर दी गईं, अतः सभी व्यवसायिक शिक्षकों द्वारा संदर्भित पत्रों के विरोधाभाष को दूर करने एवं व्यवसायिक शिक्षकों की सेवाएं पुनः बहाल करने की मांग की गई है।

उचित मूल्य दुकान विहीन हेतु आवेदन 3 तक

नरसिंहपुर। नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के निर्देशानुसार जिले के विकासखंड नरसिंहपुर में दुकान विहीनध विक्रेता विहीन 4 ग्राम पंचायतों में नवीन उचित मूल्य दुकान के आवंटन के लिए प्रक्रिया ऑनलाइन सम्पन्न की जायेगी। विकासखंड नरसिंहपुर में दुकान विच्हीन ग्राम पंचायत कल्यानपुर व बाबरिया और विक्रेता विहीन दुकानें ग्राम पंचायत इमलिया व गुड़वारा में नवीन उचित मूल्य दुकान आवंटित की जाना है। इस संबंध में पोर्टल पद पर उक्त उचित मूल्य दुकानविहीन ग्राम पंचायतों के लिए पात्र संस्थायें 3 जुलाई 2024 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकती हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त आवेदनों पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। दुकान आवंटन की कार्रवाई अनुविभागीय राजस्व अधिकारी नरसिंहपुर द्वारा की जायेगी।

प्रशासन की अनदेखी का शिकार हुआ एकांत वन

बदहाल व्यवस्था पर बहा रहा आंसू लाखों खर्च के बाद परिणाम शून्य

नरसिंहपुर। नगर पालिका प्रशासन द्वारा लाखों रूपये खर्च कर नगर वासियों को एकांत वन की सौगात दी गई थी। एकांत वन को बनाये जाने का उद्देश्य लोगों को प्राकृतिक हवा तथा वन बिहार का मौका मिल सके। लेकिन प्रशासन के गैर जिम्मेदार अधिकारी कर्मचारियों की लापरवाही के कारण आज एकांत वन बदहाली के आंसू बहाने के लिये मजबूर है और प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारी इस ओर ध्यान भी नही दे रहे। प्रशासन के अधिकारियों के साथ - साथ नगर के जनप्रतिनिधियों द्वारा भी उक्त कार्य मे रूचि नही दिखाई जा रही है।

आशाओं पर फिरा पानी

कलेक्टर बंगले के पीछे नगर पालिका द्वारा लाखों रुपए खर्च कर एकांत वन का निर्माण कार्य करवाया गया था। एकांत वन निर्माण होने लोगो मे काफी आशाये जागृत हो चुकि थी जिस पर यह माना जा रहा था कि लोग यहां आकर एंकात में बनी शिलाओं पर बैठकर ध्यान लगा सके। सुबह - शाम को पथ मार्ग पर चलकर टहलते हुए घूम सके और बच्चें आकर यहां बने झूलों पर झूलकर आनंद ले सके लेकिन नगरपालिका द्वारा लाखों रुपये खर्च करने के बाद एंकात वन को बदहाल स्थिति में छोड़ दिया गया। जिससे यहां चहुंओर गंदगी फैलने लगी। नगरपालिका द्वारा साफ-सफाई न होने के चलते पथ मार्ग में लम्बी लम्बी गाजर घास ने कब्जा कर लिया और वर्तमान मे यह एकांत वन की जगह गंदगी व मच्छर युक्त जहरीली वन नजर आ रहा है ।

निर्माण कार्य मे नहीं है गुणवत्ता

प्रशासन द्वारा नगर वासियों को एक अच्छी सौगात देने के उद्देश्य से एकांत वन का निर्माण कार्य कराया गया था लेकिन ठेकेदार द्वारा निर्माण कार्य में लीपापोती कर इति श्री कर ली और परिणाम यह हुआ कि दीवार व जाली टूटने के कारण लोगों द्वारा सुबह शाम गंदगी फैलाई जा रही। ठेकेदार द्वारा लगाया हुआ मुख्य द्वार भी टूट गया है। सुविधाओं के अभाव में एकांत वन में एकांत पसरा रहता है। यहां घूमने आने वाले नागरिकों का कहना है कि इस एकांत वन को व्यवस्थित रखा जाए तो यह वन जिले का सबसे चर्चित वन के रूप में जाना पहचाना जायेगा।

आखिर कब होगा एकांत वन मे शोरगुल

नगर के मध्य मे बनाये गये एकांत वन मे शोरगुल कब तक गूंजेगा यह बात भविष्य के गर्त मे समाई हुई है। एकांत वन बनाने का मुख्य उद्देश्य यही था कि सुबह व शाम को लोगो एकांत वन मे भ्रमण कर अपने स्वास्थ्य के साथ - साथ ताजी हवा ले सकें व परिवार को वन का न जारा भी दिखा सकें। उक्त वन का मुख्य लक्ष्य था कि बच्चे व बुजुर्ग एकांत वन मे घूमते व खेलते नजर आयें। पूर्व कलेक्टर व जनप्रतिनिधियों द्वारा शुभारंभ तो किया गया लेकिन दोबारा एकांत वन की ओर रूख नही किया गया। जिसके कारण एकांत वन अव्यवस्था व सुनसान वन होता जा रहा है प्रशासन को चाहिये की अति शीघ्र व्यवस्थायें दुरूस्त कर उसे चालू किया जावे।

मनमोहक स्पॉट के रूप मे हो विकसित

एकांत वन को लेकर लोगों की आशा थी की प्रशासन द्वार अच्छी जगह का चुनाव किया गया है और यह एक मनमोहक स्पॉट के साथ लोगो मोहित करने वाला जिले का अच्छा स्पॉट बन सकता है। प्रशासन व जनप्रतिनिधियों को चाहिए की एकांत वन मे फैली गंदगी को दूर कर उचित सुविधायें लोगो मुहैया कराये तथा स्वच्छ व साफ वातावरण का परिवेश उपलब्ध करायें जिससे प्रेरणा लेकर अन्य नगर पालिका व नगर परिषद भी इस प्रकार के स्थानों का निर्माण करने की सीख ले सकें । अब देखना होगा के प्रशासन इस ओर ध्यान देता है या एकांत वन ज्यों के त्यों बना रहेगा ।

कलेक्टर ने सिंगरी नदी में किया श्रमदान

नरसिंहपुर । कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले ने जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत नरसिंहपुर में करबला स्थित झिरना के पास आयुष हॉस्पिटल के पीछे सिंगरी नदी पुल के पास साफ- सफाई कर श्रमदान किया। सफाई अभियान का आयोजन नगर पालिका नरसिंहपुर द्वारा किया गया। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ दलीप कुमार, सीएमओ नीलम चैहान, जिला अधिकारी- कर्मचारी और नगर पालिका का अमला मौजूद था। कलेक्टर ने कहा कि जलाशय में किसी प्रकार का कचरा नहीं करे। जलाशय के जल को साफ बनाए रखने के लिये पालीथीन का उपयोग नहीं करें तथा जल संवर्धन के लिये पौधारोपण करें। जलाशय को जीवंत मानकर उसकी स्वच्छता एवं संरक्षण का पूर्ण रूप से ध्यान रखें। जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत जल स्त्रोतों को अविरल बनाये जाने के उद्देश्य से जिले में स्थित नदी, तालाबों, कुओं, बावड़ी तथा अन्य जल स्त्रोतों के संरक्षण एवं पुर्नजीवन का कार्य प्राथमिकता से किया जा रहा है। विश्व पर्यावरण दिवस से शुरू इस अभियान को 30 जून तक जिले के सभी नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में प्रवाहित होने वाली नदियों, तालाब एवं जल संरचनाओं के पुनर्जीवन व संरक्षण का कार्य स्थानीय, सामाजिक, अशासकीय संस्थाओं एवं जनभागीदारी के माध्यम से किया जा रहा है जिसमें सभी लोग उत्साह एवं उमंग के साथ सहभागिता निभा रहें है।

अंतर्राष्ट्रीय नशा निरोधक दिवस पर आयोजित हुई कार्यशाला

नरसिंहपुर। जिला चिकित्सालय नरसिंहपुर के ओएसटी केन्द्र में जिला न्यायाधीश एवं सचिव विधिक सहायता प्राधिकरण वैभव सक्सेना के मुख्य आतिथ्य में अंतर्राष्ट्रीय नशा निरोधक दिवस पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का शुभारंभ दीप प्रज्जवलन कर किया गया। कार्यशाला में मुख्य अतिथि जिला न्यायाधीश एवं सचिव विधिक सहायता प्राधिकरण ने मार्गदर्शी उद्बोधन में सुप्रीम कोर्ट के जजमेंट के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने बताया कि बुद्ध देव एवं अन्य ऐसे प्रकरणों में सुप्रीम कोर्ट ने अपने ऐतिहासिक फैसलों को विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि हाईरिस्क ग्रुप जैसे सेक्स वर्कर, एमएसएम आदि के साथ किसी भी प्रकार का कोई भी भेदभाव उत्पीड़न करना गैर कानूनी है। इस प्रकार के प्रकरणों में किसी भी शिकायत पर उक्त समूह के लोग सीधे विधिक सहायता से संपर्क कर सकते हैं। उन्हें निःशुल्क रूप से हर संभव कानूनी सहायता उपलब्ध कराई जायेगी। नोडल ऑफीसर एवं जिला क्षय अधिकारी डॉ. विनय ठाकुर ने कहा कि समाज में इस पहल की आवश्यकता है कि नशा मुक्त युवाओं को मुख्य धारा से जोड़ते हुए उनका पुर्नवास किया जाये। इंजेक्शन से नशा करने वाले समूह में से उन युवाओं के पुर्नवास, जिन्होंने अपना इलाज पूरा करते हुये नशामुक्त हो चुके है, को रोजगार दिलाने के लिये जनजागृति लाई जाये। सीएसओ डॉ. राजेश झारिया ने कहा कि शासन की मंशा अनुरूप सभी के अधिकारों को सुरक्षित करने के लिए एवं सभी के बीच की समस्याओं के समाधान के लिए जिला कम्युनिटी रिर्सोस ग्रुप (सीआरजी) कमेटी का गठन किया जा रहा है। यह कमेटी सभी की समस्याओं के समाधान एवं चलाये जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों व सेवाओं के बेहतर संचालन के लिए सहमति से गठित की जा रही है। उक्त समिति में अध्यक्ष कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले, उपाध्यक्ष एचआरजी का प्रतिनिधि एवं सचिव नोडल अधिकारी जिला एड्स नियंत्रण समिति होंगे। कार्यक्रम का संचालन प्रशांत सोनी और आभार नीरज पाटकार ने किया।

महिला मंडल द्वारा सात दिवसीय योग शिविर आयोजित

नरसिंहपुर । गायत्री परिवार प्रकोष्ठ एवं मां दुर्गा महिला मंडल द्वारा सात दिवसीय योग शिविर का आयोजन किया गया इस योग शिविर में महिलाओं के साथ-साथ बच्चों की भी सहभागिता रही सातों दिवस के शिविर में प्रतिदिन अलग-अलग बीमारियों से संबंधित योग एवं प्राणायाम की जानकारी महिला पतंजलि योग समिति की प्रभारियों द्वारा दी गई शिविर में गायत्री परिवार ट्रस्टी जिला समन्वयक , पुंसवन संस्कार प्रभारी एवं महिला पतंजलि योग समिति की तहसील महामंत्री श्रीमती मंजू श्रीवास्तव एवं योग समिति की जिला महामंत्री श्रीमती सुषमा मिश्रा द्वारा योग प्रशिक्षण दिया गया एवं गायत्री परिवार की जिला सांस्कृतिक प्रभारी एवं रामायण महिला मंडल प्रभारी श्रीमती ज्योति तिवारी जी के पूर्ण सहयोग द्वारा यह शिविर सफलतापूर्वक संपन्न हुआ योग शिविर में आसपास की कालोनी के बच्चों के बीच गायत्री मंत्र लेखन प्रतियोगिता रखी गई। जिसमें जिन बच्चों ने दी गई समयावधि के अनुसार मंत्र लेखन शुद्ध एवं स्पष्ट लिखा उन्हें समितियों द्वारा पुरस्कृत किया गया शिविर में महिलाओं की उपस्थिति में मुख्य रूप से श्रीमती हेमलता शर्मा श्रीमती नमिता कौरव श्रीमती मनीषा पुरोहित श्रीमती रचना वर्मा, श्रीमती सुषमा तिवारी श्रीमती रेखा राय श्रीमती ज्योति भार्गव श्रीमती भारती दीक्षित श्रीमती रचना त्रिवेदी श्रीमती संगीता शर्मा श्रीमती गदेवाल श्रीमती मधु अग्रवाल श्रीमती पूनम गुप्ता आदि की उपस्थिति रही एवं गायत्री मंत्र लेखन के लिए भाग लेने वाले बच्चों में अक्षय कुमार श्रीवास्तव अरनव सिंग आरव सिंग रुद्र नामदेव आरना नामदेव कृतिका सिंग वेदिका कनहौआ मनु कौरव आदि उपस्थित रहे।

दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन

नरसिंहपुर। नगर की अग्रणी शिक्षण संस्था कार्मेल विद्यालय में दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन हुआ । जिसमें प्रशिक्षण प्रदान करने हेतु डॉ. सिस्टर जॉन्सी (काउंसलिंग साइकोलॉजिस्ट, साइकोथैरेपिस्ट एवं ट्रेनर) और सिस्टर आशा पॉल (बार काउंसिल सदस्य, अधिवक्ता सुप्रीम कोर्ट एवं तीस हजारी कोर्ट), को डॉ. फादर डेविस जॉर्ज (भूतपूर्व प्राचार्य सेंट अलाएसिस स्कूल एवं कॉलेज, जबलपुर) एवं फादर थंकाचन (प्राचार्य सेंट अलाएसिस स्कूल) का आगमन हुआ। प्रशिक्षण में शिक्षकों को सामान्य कौशल, विशिष्ट कौशल, छात्रों के भावनात्मक पक्षों की पहचान, उनकी छुपी हुई प्रतिभाओं को समझना, प्रभावी संचार, सकारात्मक दृष्टिकोण, विश्लेषणात्मक सोच, प्रेरक कौशल, नेतृत्व क्षमता का विकास, पाक्सो एक्ट, बाल संरक्षण अधिनियम, समय प्रबंधन कौशल आदि अति विशिष्ट विषयों पर प्रशिक्षण प्रदान किया गया। संस्था प्रबंधक फादर स्टेनिन, प्राचार्य फादर वर्गीस, एडमिनिस्ट्रेटर फादर साजू ने पधारे हुए माननीय प्रशिक्षकों को पुष्पगुच्छ एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया और उनके द्वारा किए गए ज्ञानवर्धन के लिए आभार व्यक्त किया।

महाराज श्री द्वारा श्रीकृष्णार्जुन संवाद का विमोचन

नरसिंहपुर। गत दिवस शारदापीठ के जगतगुरु शंकराचार्य स्वामी सदानन्द जी महाराज द्वारा जिले के साहित्यकार डॉ. रमेश कुमार बुधौलिया के अमृत ग्रंथ श्रीकृष्णार्जुन संवाद का विमोचन किया गया। ज्ञात हो कि डा. बुधौलिया द्वारा आदी शंकराचार्यजी रचित सौंदर्य लहरी के हिंदी काव्यानुवाद सौंदर्य शतक तथा ज्ञानेश्वरी जी की गीता का पद्यानुवाद गीता ज्ञान प्रभा की भूमिका लेखन के दायित्व का आशीर्वाद भी सदानन्दजी महाराज द्वारा प्रदान किया गया था। डॉ बुधौलिया के जन्मदिवस के अवसर पर बुधौलिया परिवार के सभी परिजनों के साथ बड़ी संख्या में एकत्र शहर के श्रद्धालु गणमान्य भक्तों के अंदर सदानंन्द महाराज के नरसिंगपुर आगमन से अपार हर्ष एव उल्लास का माहौल था। इसी क्रम में नरसिंह साहित्य परिषद नरसिंहपुर तथा सृजन साहित्य पटल जबलपुर के वरिष्ठ कविगणों ने डॉक्टर बुधौलिया की याद में काव्यगोष्टि द्वारा श्रद्धांजलि पेश की । बुधौलिया परिवार से अनन्त नीरा बुधौलिया द्वारा महाराज जी का अभिनन्दन चरण पादुका पूजन किया गया। जनार्दन गिरदौनीया द्वारा मंच संचालन तथा पुत्र अतुल बुधौलिया द्वारा आभार व्यक्त किया गया।

वन प्रकृति का श्रंगार इनकी सुरक्षा और संरक्षण का हमारा नैतिक दायित्व

तेंदूखेड़ा- वन प्रकृति का श्रंगार है इनकी सुरक्षा और संरक्षण करना हमारा नैतिक दायित्व है।पर्यावरण सुरक्षा और संरक्षण की दिशा में हर साल लाखों की संख्या में पौधारोपण किया जाता है। लेकिन कुछ पौधे संरक्षण और उचित रखरखाव के चलते बच जाते हैं तो कुछ पौधे केवल फोटो खिंचवाने तक ही सीमित रह जाते हैं। एक वृक्ष मानव जीवन को लाखों रुपए की निशुल्क आक्सीजन उपलब्ध कराने के साथ तरह तरह की वन औषधि भी हमें उपलब्ध कराते हैं।कोविड काल की वीभत्सता के बाद से आक्सीजन के महत्व और पर्यावरण के प्रति लोगों में जागरूकता भी आई है। मानसूनी दस्तक के साथ पौधारोपण का सिलसिला फिर शुरू होगा कुछ लोग केवल फोटो खिंचवाने तक सीमित रह जायेंगे तो कुछ इनके संरक्षण की दिशा में सजग बनें रहेंगे।इसी विषय को लेकर पर्यावरण प्रेमियों ने अपने अपने विचार भी रखें है।

केवल फोटो खिंचवाने तक सीमित ना रहे पौधारोपण

पर्यावरण प्रेमी तथा सामाजिक सरोकारों से जुड़े सजग युवा नीरज राय जो कि स्वयं अपने घर पर छोटे छोटे पौधों को गमलों में सहेजकर रख उन्हें बड़ा आकार प्रदान कर सुरक्षित स्थानों पर लगाने का काम कर रहे हैं। आगामी 7 जुलाई को भी एक बड़े लक्ष्य के साथ शुरुआत करेंगे। इनका कहना है कि पौधारोपण केवल फोटो खिंचवाने और छपास रोग तक सीमित ना हो बल्कि इन पौधों को सुरक्षित परिसरों में लगवा कर समय-समय पर खाद पानी की व्यवस्था तब तक जारी रहे तब तक वह बड़ा वृक्ष का रुप धारण ना कर ले। बढ़ते तापमान अनियंत्रित होते मौसम गतिविधियों के साथ वन वर्षा में सहायक होने तथा जीव जंतुओं पक्षियों के आश्रय स्थल सहित विभिन्न पहलुओं की दिशा में पर्यावरण सुरक्षा संरक्षण दोनों जरूरी है। फोटो क्रं 02 नीरज राय

सांसों के लिए वृक्ष जरुरी

वृक्षारोपण तथा पौधों के संरक्षण की दिशा में अपनी एक अलग पहचान बनाने वाले पर्यावरण प्रेमी अविनाश जैन कहते हैं कि सांसों के लिए वृक्ष बहुत जरूरी है।हर व्यक्ति की अपनी एक अलग रुचि हुआ करती है। अपने जीवन के साथ साथ दूसरे के जीवन और पर्यावरण के स्वछंद वातावरण की दिशा में अपनी रुचि में यह विषय भी प्रत्येक वर्ग शामिल कर लेता है तो निश्चित तौर पर जंगल ही जंगल दिखाई देने लगेंगे। जरुरी नहीं कि पौधारोपण केवल खुले स्थानों पर ही लगाये जाये हम जिस परिसर गली मुहल्लों में रहते हैं वहां सुरक्षित स्थान देखकर पौधा रोपण कर वृक्ष का आकार दे सकते हैं। साथ साथ जल संरक्षण संवर्धन की दिशा में सामूहिक प्रयासों की जरूरत है।

हर व्यक्ति सुरक्षा का संकल्प ले

नगर के एक और पर्यावरण प्रेमी आशुतोष नामदेव जो कि घर से निकलने वाली फालतू सामग्री को पर्यावरण सुरक्षा संरक्षण और जल संरक्षण संवर्धन की दिशा में उपयोग कर सदैव संलग्न बनें रहने के साथ साथ दीवाल लेखन कर जन जागरण किया करते हैं।इनका कहना है कि पर्यावरण सुरक्षा संरक्षण और जल संवर्धन प्रत्येक व्यक्ति का दायित्व है। घरों से निकलने वाली खराब मच्छरदानी लकड़ी तार को एकत्रित कर जल स्त्रोतों के समीप पौधे लगाकर ट्री गार्ड बना कर सुरक्षित कर सकते हैं। प्रत्येक रविवार को अपने साथियों को साथ लेकर जल स्त्रोतों की साफ सफाई के साथ रोपित किए जाने वाले पौधों में खाद पानी उनकी गुड़ाई कर सकते हैं।इसी तरह हम पिकनिक का रुप देकर जंगल क्षेत्रों में वृक्षों को संवारने और जल कुंडों झरनों को सहेजने का काम भी कर सकते हैं।

स्टेट हेड ने किया निरीक्षण सुरक्षा की देखी जमीनी हकीकत

तेंदूखेड़ा- विगत दिनों आशीर्वाद भारत गैस स्टेड हेड म,प्र सीजी श्री बिवाश चंद्र मंडल भिटोनी टेरेटरी मैनेजर श्री महेश कामले सेल्स ऑफिसर श्री नितिन खोत रूहतक पाल का अचानक आशीर्वाद भारत गैस उपभोक्ता केंद्र का निरीक्षण किया जिसमें उपभोक्ताओं की जागरूकता एवं सुरक्षा के संबंध में समीक्षा की गईं। आशीर्वाद भारत गैस एजेंसी के प्रबंधक रामकुमार ठाकुर तथा स्टॉफ को विस्तार पूर्वक आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराई और बताया हमारा उद्देश्य दूर दराज ग्रामीण क्षेत्र तक स्वच्छ और सुरक्षित ईंधन को अपने उपभोक्ता तक आसानी से पहुंचाना है।समय समय पर गैस उपभोक्ताओं को सुरक्षा से संबंधित गतिविधि के माध्यम से अवगत कराते रहना हमारा लक्ष्य है । इस दौरे ने हमारे वितरकों को व्यवसाय के दायरे विकास और उत्कृष्टता की ओर ले जाने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्देश भी दिए। दैनिक परिचालन में सुरक्षा और सुरक्षा मानकों के पालन पर ध्यान केंद्रित किया गया। जो सुरक्षित और कुशल व्यावसायिक प्रथाओं के लिए इन निर्देशों को लागू करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए इन मार्गदर्शनों का पालन करें।